दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-45 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 25 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देश के पहले 'इच्छामृत्यु' मामले में हरीश राणा ने ली अंतिम सांस

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। 13 साल तक कोमा के अंधेरे और असहनीय कष्ट में जीवन बिताने वाले हरीश राणा को आखिरकार इस दुनिया के दर्दों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से मिली ऐतिहासिक इच्छामृत्यु की अनुमति के बाद, हरीश ने मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। यह पूरे देश में कानूनी रूप से दी गई निष्क्रिय इच्छामृत्यु का पहला और बेहद भावुक मामला बन गया है। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है और मेडिकल साइंस से लेकर कानूनी गलियारों तक में इसकी चर्चा हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ऐसे थमी सांसें

लंबे समय से अपने बेटे को इस दर्दनाक स्थिति में देख रहे माता-पिता की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को एक बड़ा फैसला सुनाया था। अदालत ने डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। इसके बाद हरीश को 14 मार्च को एम्स के आईआरसीएच (IRCH) के पैलिएटिव केयर वार्ड में भर्ती कराया गया। एम्स प्रशासन ने इसके लिए विशेषज्ञों के डॉक्टरों की एक विशेष कमेटी गठित की, जिनकी देखरेख में बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हरीश का भोजन और पानी धीरे-धीरे बंद कर दिया गया, जिसके बाद मंगलवार को उनका निधन हो गया।

2013 का वो मनहूस दिन और 13 साल का कोमा

हरीश राणा की यह दर्दनाक कहानी साल 2013 में शुरू हुई थी। उस समय हरीश चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के एक होनहार छात्र थे। एक दिन अचानक वह हॉस्टल की चौथी मंजिल की बालकनी से नीचे गिर गए, जिससे उनके सिर पर बेहद गंभीर चोटें आईं। इस भयानक हादसे के बाद हरीश सीधे कोमा में चले गए। उनके परिवार और डॉक्टरों ने उन्हें वापस लाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। पिछले 13 सालों से उन्हें सिर्फ एक फूड पाइप के सहारे तरल भोजन दिया जा रहा था और कई बार उन्हें जीवित रखने के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट का सहारा भी लेना पड़ता था।

अगर युद्ध जारी रहा तो गंभीर दुष्प्रभाव तय', पश्चिम एशिया संकट पर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि मैं राज्य सरकारों से अनुरोध करना चाहता हूं कि संकट चाहे कितना बड़ा हो, देश की ग्रोथ को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहना होगा। ये राज्य सरकारों के पास बहुत बड़ा अवसर है। ये टीम इंडिया की भी बहुत बड़ी परीक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल में केंद्र और राज्यों ने टीम इंडिया बनकर कोविड मैनेजमेंट का एक बेहतरीन मॉडल सामने रखा था। अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने के बावजूद टेस्टिंग और वैक्सीनेशन से लेकर जरूरी चीजों की आपूर्ति टीम इंडिया के प्रयासों से ही सुनिश्चित हो पाई थी।

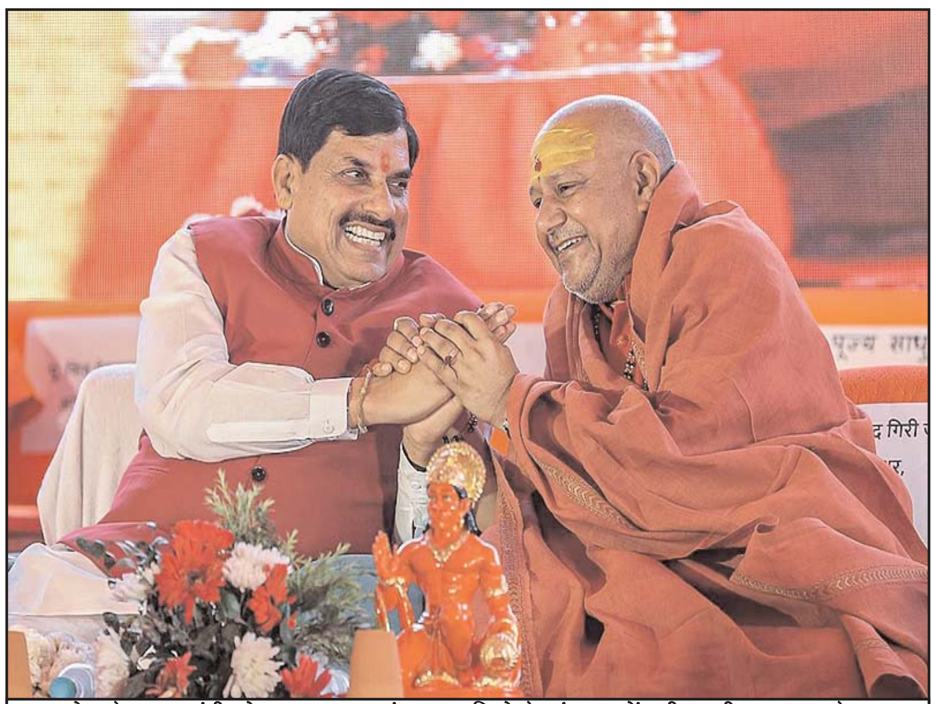

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव (बाएं) मथुरा जिले के वृंदावन में जीवन दीप आश्रम के उद्घाटन के दौरान आध्यात्मिक गुरु स्वामी यतींद्रानंद गिरि के साथ हल्के-फुल्के पल साझा करते हुए।

तुरंत छिन जाएगा एससी का दर्जा, धर्म बदलने वालों को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा झटका

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (SC) के दर्जे और धर्मांतरण को लेकर मंगलवार को एक बेहद अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में दो टूक कह दिया है कि अगर कोई व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म को छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाता है, तो उसे अब अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े फैसले का सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो धर्म परिवर्तन के बाद भी सरकारी सुविधाओं और आरक्षण का लाभ ले रहे हैं।

तुरंत प्रभाव से खत्म होगा दर्जे का लाभ

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी. के. मिश्रा और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए यह सख्त फैसला सुनाया। पीठ ने स्पष्ट किया कि जैसे ही कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण करता है, उसका अनुसूचित जाति का दर्जा उसी समय और पूरी तरह से समाप्त हो जाता है। अदालत के अनुसार, ऐसा व्यक्ति फिर भविष्य में अनुसूचित जाति के तौर पर किसी भी तरह के लाभ या अधिकार का दावा नहीं कर सकता।इस कड़े फैसले का आधार बताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 में यह बात पहले ही स्पष्ट कर दी गई थी। कोर्ट ने साफ किया कि 1950 के आदेश के क्लॉज 3 में बताए गए धर्मों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के अलावा किसी भी अन्य धर्म को अपनाने पर जन्म की स्थिति चाहे जो भी रही हो, एससी का दर्जा तुरंत खत्म हो जाता है।

भारतीय रेलवे ने बदले टिकट कैंसिलेशन के नियम, अब समय के हिसाब से तय होगा रिफंड

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने कन्फर्म टिकट कैंसिल करने के नियमों में बदलाव किया है ताकि दलालों द्वारा टिकटों की कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके। नए नियमों के तहत यात्रियों को कुछ मामलों में ज्यादा सुविधा भी दी गई है, खासकर आखिरी समय में बोर्डिंग स्टेशन बदलने को लेकर। संशोधित नियमों के अनुसार, टिकट कैंसिल करने पर मिलने वाला रिफंड अब ट्रेन के चलने से पहले बचे समय के आधार पर तय होगा। साथ ही, यात्रियों को बोर्डिंग स्टेशन बदलने की सुविधा भी दी गई है, जिससे उन्हें अधिक लचीलापन मिलेगा। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 के बीच चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे।नियमों के तहत अगर कोई यात्री ट्रेन के चलने से 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल करता है, तो उसे अधिकतम रिफंड मिलेगा।

दिल्ली-साउथ वेस्ट साइबर पुलिस ने पकड़ा बड़ा इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रैकेट, 11 साइबर ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की साइबर पुलिस ने एक बड़े इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया है, जो दिल्ली, राजस्थान और मुंबई से ऑपरेट हो रहा था। इस पूरे मामले में पुलिस ने 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को हाई रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट का लालच देकर ठगी करते थे। इस गिरोह का शिकार एक 60 साल के बुजुर्ग व्यक्ति भी हुए, जिनसे करीब 22.67 लाख रुपए की ठगी की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया है, जिसमें 40 मोबाइल फोन, 92 फर्जी सिम कार्ड, 39 पासबुक और चेकबुक, 27 एटीएम कार्ड, 4 पैन कार्ड, एक लैपटॉप, एक डेस्कटॉप, 2 पीओएस मशीन, 6 यूपीआई स्कैनर, एक प्रिंटर और कई फर्जी दस्तावेज शामिल हैं। ये दस्तावेज खासतौर पर फर्जी बैंक अकाउंट खोलने के लिए इस्तेमाल किए जाते थे। पूरा मामला 21 नवंबर 2025 को सामने आया, जब पीड़ित ने साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि फेसबुक पर एक विज्ञापन के जरिए उन्हें निवेश का ऑफर मिला, जिसमें वित्त मंत्री के भाषण का गलत इस्तेमाल किया गया था और एआई आधारित ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा कमाने का दावा किया गया था।

महिला आरक्षण कानून

संसद में आ सकते हैं दो नए विधेयक, विपक्ष बोला- सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार

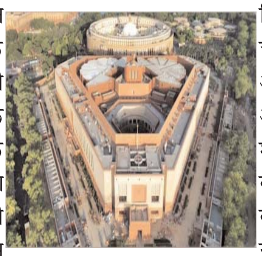

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लागू करने के लिए दो नए विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की योजना है कि लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही इस कानून को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।इस बीच, कई विपक्षी दलों ने सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। विपक्ष का कहना है कि यह बैठक मौजूदा विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद आयोजित की जाए। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के सदन के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की। ताकि आम सहमति बन सके। यदि सहमति बनती है, तो ये दो विधेयक इसी सप्ताह संसद में पेश किए जा सकते हैं।

राममंदिर बनने के बाद पहली बार अयोध्या जाएंगे दिग्विजय सिंह

- रामलला और हनुमान गढ़ी के करेंगे दर्शन, मंदिर पूरा होने पर दर्शन करने का लिया था संकल्प

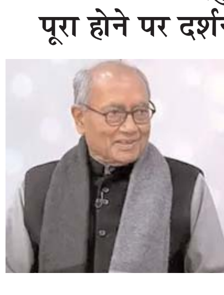

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह 26 मार्च को अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर के निर्माण के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा होगा। खास बात यह है कि सिंह ने मंदिर निर्माण के दौरान ही घोषणा की थी कि जब प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा, वे तभी दर्शन करने जाएंगे। अब जबकि मंदिर का मुख्य निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है, वे अपना संकल्प पूरा करने पहुंचेंगे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार 111 रुपए की निधि समर्पित की थी। उन्होंने हमेशा कहा कि वे राम भक्त हैं, लेकिन राजनीति और आस्था को अलग रखते हैं।

गाजियाबाद जासूसी कांड में दिल्ली के शूटर समेत 3 और गिरफ्तार, पाकिस्तान को भेजते थे संवेदनशील जानकारी

साहिबाबाद, (आरएनएस)। गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में सामने आए CCTV जासूसी मामले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और जांच एजेंसियों ने इस मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली का समीर उर्फ शूटर, शामली का समीर पठान और गाजियाबाद का शिवराज शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि ये सभी आरोपी पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को संवेदनशील इलाकों के वीडियो और फोटो भेजते थे। एजेंसियों के मुताबिक यह नेटवर्क कई शहरों में सक्रिय था और आरोपियों के जरिए लगातार जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, इन नई गिरफ्तारियों के बाद इस जासूसी नेटवर्क से जुड़े कुल आरोपियों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए परिचालन और तकनीकी सबक का अध्ययन किया जाना चाहिए राजनाथ सिंह आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए, सीखे गए सबक, चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखते हुए अगले दशक के लिए एक एकीकृत रोडमैप को औपचारिक रूप देने की आवश्यकता है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 24 मार्च, 2026 को नई दिल्ली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सेना प्रमुखों, रक्षा सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष के साथ बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव का जायजा लिया। उन्हें वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य, मौजूदा संघर्षों के संभावित विस्तार के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। मौजूदा

उपकरणों के रखरखाव और सेवाक्षमता सहित रक्षा उपकरणों की खरीद और उत्पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर स्थिति के प्रभाव का भी विश्लेषण किया गया। रक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि भारत की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए मौजूदा संघर्ष से मिले परिचालन और तकनीकी सबक का निरंतर अध्ययन किया जाना चाहिए।

दिल्ली के आईपी एस्टेट इलाके में मुठभेड़, हत्या के मामले में फरार चल रहा बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सेंट्रल दिल्ली के आईपी एस्टेट थाने के अंतर्गत फिरोजशाह कोटला के बैकसाइड रोज गार्डन के पास सर्विस रोड पर मंगलवार को पुलिस और एक वांटेड बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लग गई और घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार चल रहा बदमाश अजय कालिया इलाके में आने वाला है। इसके बाद स्पेशल स्टाफ ने उसके लिए ट्रैप लगाया। जैसे ही बदमाश वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन अजय कालिया ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ के दौरान अजय कालिया के पैर में गोली लगी। उसे घायल हालत में पकड़ा गया। फिलहाल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से उसे आगे की कार्रवाई के लिए ले जाया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि अजय कई वारदात में शामिल रहा है और काफी समय से फरार था।

तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने हेतु केंद्र सरकार के प्रभावी कदम

नर्मदापुरम(निप्र)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा लोकसभा में अतारांकित प्रश्न क्रमांक 4878 के उत्तर में तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों की जानकारी दी गई। यह प्रश्न होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा पूछा गया था। शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने अपने उत्तर में बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में भारतीय भाषाओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक ठोस पहल की गई हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में देश के 9 राज्यों के 44 संस्थानों में कंप्यूटर साइंस, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा एआई एवं मशीन लर्निंग जैसे विषयों में भारतीय भाषाओं में डिग्री एवं डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा को मातृभाषा में सुलभ बनाने के उद्देश्य से AICTE द्वारा 12 भारतीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तकों के लेखन एवं अनुवाद का कार्य प्रारंभ किया गया है। ये पुस्तकें 'ई-कुम्भ' पोर्टल पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। साथ ही 'अनुवादिनी' एप के माध्यम से तकनीकी विषयों की पुस्तकों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। भारतीय भाषाओं में शिक्षण एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु AICTE ने 'वाणी' (VANI) पहल शुरू की है, जिसके अंतर्गत संस्थानों को सेमिनार, कार्यशाला एवं सम्मेलन आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय बजट 2025-26 में 'भारतीय भाषा पुस्तक योजना' का प्रावधान किया गया है, जिसके तहत स्कूलों एवं उच्च शिक्षा के लिए पाठ्य सामग्री भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार के इन प्रयासों से तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ छात्रों और शिक्षकों के बीच जागरूकता, अनुसंधान गतिविधियों तथा तकनीकी दक्षता में भी सकारात्मक वृद्धि हो रही है।

सड़क हादसों में घायलों की करें त्वरित मददः कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने पर होंगे पुरस्कृत, कहलाएंगे राहवीर

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा मोटर वाहन से जुड़ी गंभीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके और दुर्घटना के बाद महत्वपूर्ण गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाकर पीड़ित की जान बचाने वाले को राहवीर योजना के तहत पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले वासियों से अपील की है कि योजना के तहत घायलों की सहायता करें तथा महत्वपूर्ण समय में उन्हें अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाए। इस प्रक्रिया के दौरान सहयता करने वाले व्यक्ति को किसी भी प्रकार की पुलिस कार्यवाही का सामना नहीं करना पड़ेगा। सहायता करने वाले व्यक्ति को योजना के तहत पुरुस्कृत भी किया जायेगा। योजना का उद्देश्य आम जनता को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की जान बचाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित और प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत कोई भी व्यक्ति जिसने मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके तथा दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल पहुंचकर चिकित्सा उपचार प्रदान करके उसकी जान बचाई हो वह पात्र होगा जिसे जिला स्तर पर मूल्यांकन के पश्चात इनाम प्रदान किया जाएगा।

किसान ही देश के भाग्य विधाता हैं, उनकी समृद्धि ही है हमारा संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि आधारित उद्योगों के प्रोत्साहन से मध्यप्रदेश बनेगा नंबर-1 राज्य
इस वर्ष से यशोदा योजना के माध्यम से स्कूली बच्चों को प्रदाय किए जायेंगे दूध के पैकिट

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं, जहां संकट आया और प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित न की गई हो। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दतिया जिले में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बलराम को नमन करते हुए कहा कि किसान ही हमारे देश के भाग्य विधाता हैं। वे सूरज की तपती गर्मी में अपने परिश्रम से सभी के लिए अन्न उगाते हैं। कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है। प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से खेती करें, पशुपालन, मत्स्य पालन और कृषि आधारित उद्योग शुरू कर खाद्य प्र-संस्करण से अपनी आय दोगुनी करें। इसके लिए अनेक योजनाओं की सौगात दी जा रही है। अब हमारे किसान नरवाई प्रबंधन के लिए मशीनों से भूसा भी बना रहे हैं, जिससे उन्हें गेहूं और भूसा, दोनों से कमाई का सुनहरा मौका मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश बहुत जल्द देश का नंबर-1 राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन में दतिया को 62.23 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 62.23 करोड़ लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इसमें भव्य सांदीपनि विद्यालय, दैवीय स्थल रतनगढ़ में यात्री निवास, स्टेडियम सहित अन्य विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में हितग्राहियों को कृषि यंत्र, पशुपालन, खाद्य प्र-संस्करण के लिए हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपना संपूर्ण जीवन जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय बच्चों के सुनहरे भविष्य के मंदिर की तरह हैं। शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों को निःशुल्क किताबें, ड्रेस, साइकिलें, लैपटॉप और स्कूटी तक दी जा रही हैं। इसी शैक्षणिक सत्र से यशोदा योजना में बच्चों को दूध के पैकेट भी वितरित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी पात्र लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की राशि मिल रही है।

अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान नहीं करेगा पलायन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई का रकबा कभी साढ़े 7 लाख हैक्टेयर था, जो अब बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर तक पहुंच चुका है। पिछले 2 साल में सिंचित भूमि का रकबा लगभग दस लाख हैक्टेयर बढ़ गया है। केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से बुंदेलखंड अंचल और आसपास के जिलों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को नदी जोड़ो परियोजना की महत्वपूर्ण सौगात दी है, जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को भी मिलेगा। अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान पलायन करने को विवश नहीं होगा।

सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : मंत्री श्री सिलावट

विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली

भोपाल (ए.)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है. हमारी सरकार का ध्येय है समृद्ध किसान, समृद्ध मध्य प्रदेश. जब किसानों के खेतों में पानी पहुंचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और उसी संकल्प की पूर्ति के लिए अधिकारी निरंतर कार्य करें. मध्यप्रदेश में प्रगतिरत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें, जिससे जनता को समय पर उनका पूरा-पूरा लाभ मिल सके.मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली. बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने प्रमुख रूप से बीना परियोजना प्रबंधन इकाई सागर एवं बेतवा परियोजना प्रबंधन इकाई भोपाल में निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य से संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री सिलावट ने बैठक में बीना संयुक्त सिंचाई बहुद्देश्यीय परियोजना सागर, कोठा बैराज परियोजना विदिशा, बण्डा सिंचाई परियोजना सागर-छतरपुर, हनोता सिंचाई परियोजना सागर-विदिशा, पंचमनगर सिंचाई परियोजना दमोह-सागर, कडान मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, साजली मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह, कैथ मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, जूडी एवं जैरा मध्यम सिंचाई परियोजना दमोह-छतरपुर की विस्तृत समीक्षा की।

भोपाल में मुस्लिम समाज का प्रदर्शन, कहा- 'इस्लाम में गोमांस हराम', गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुराने शहर स्थित इतवारा चौराहे पर मंगलवार को मुस्लिम समाज ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। 'ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी' के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और मांग जोर-शोर से उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान 'गौ माता के सम्मान में मुस्लिम समाज मैदान में' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन की खास बात यह रही कि यह मांग खुद मुस्लिम समाज की ओर से सामने आई, जिसे आमतौर पर इस मुद्दे पर अलग नजरिए से देखा जाता रहा है। इस वजह से यह आंदोलन सामाजिक ही नहीं, बल्कि व्यापक संदेश देने वाला भी माना जा रहा है। कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम धर्म में गाय का मांस खाना और उसका वध करना हराम माना गया है। उन्होंने कहा, हम गौ रक्षा के पक्षधर हैं। हमारे नबी की शिक्षाओं के अनुसार न तो हम गाय को काट सकते हैं और न ही उसका मांस खा सकते हैं। गाय का दूध और घी हमारे लिए उपयोगी बताया गया है, जिसका हम नियमित उपयोग करते हैं। उन्होंने देश में गाय और बछड़ों को लेकर बन रहे तनावपूर्ण हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि इस मुद्दे को गलत दिशा में ले जाया जा रहा है। उनका कहना था कि जब समाज गाय को माता का दर्जा देता है, तो उसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने में सरकार को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि यह मांग मुस्लिम समाज की ओर से उठाई जा रही है, इसलिए इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से गाय को जल्द राष्ट्रीय पशु घोषित करने की अपील की गई। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि ऐसा होने से गायों के वध से जुड़े विवाद, अफवाहें और आरोप-प्रत्यारोप कम होंगे, साथ ही वास्तविक दोषियों की पहचान करना भी आसान होगा।

पूर्व भाजपा सांसद आलोक संजर के बेटे के साथ कोर्ट में मारपीट

- पारिवारिक विवाद के मामले में काउंसलिंग के लिए पहुंचे थे अदालत

भोपाल(ए)। राजधानी की जिला अदालत में मंगलवार दोपहर पूर्व भाजपा सांसद के बेटे पर अचानक हमला कर मारपीट किये जाने से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार पूर्व सांसद आलोक संजर के बेटे वकील अनंत संजर पारिवारिक विवाद से जुड़े एक प्रकरण में काउंसलिंग के लिए कोर्ट पहुंचे थे। इसी दौरान पक्षकार के परिजन विद्युत भटनागर ने अचानक उन पर हमला करते हुए उन्हें थप्पड़ मारे और कपड़े फाड़ दिए। बताया जा रहा है की आरोपी ने कोर्ट में ही उन्हें धमकी भी दी। आरोपी द्वारा की गई मारपीट में अनंत की आंख के पास चोट आई, जिससे खून निकल आया। दोनों के बीच पहले से विवाद बताया जा रहा है। घटना के बाद अनंत संजर पत्नी के साथ एमपी नगर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 150 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल(ए)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, एडीएम सुमित पांडेय, अंकुर मेश्राम ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 150 आवेदन प्राप्त हुए।इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, एडीएम श्री पांडेय, श्री मेश्राम जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम बुधवार को होगा घोषित

- सुबह 11:30 बजे से विद्यार्थी वेब पोर्टल पर देख सकेंगे परिणाम, क्यूआर कोड के माध्यम से पोर्टल की लिंक को कर सकेंगे स्कैन

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश में राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार, 25 मार्च को कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी सुबह 11.30 बजे से अपना परीक्षा परिणाम www.rskmp.in/result.asp पोर्टल पर देख सकेंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी अनुसार, 25 मार्च को परीक्षा परिणाम घोषणा की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से राज्य शिक्षा केन्द्र कार्यालय के सभाकक्ष में संचालित की जाएगी। इसके बाद सुबह 11:30 बजे परीक्षा परिणाम पोर्टल पर जारी किया जाएगा। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण राज्य शिक्षा केन्द्र की वेब पोर्टल www.rskmp.in/result.asp पर अपना रोल नंबर/समग्र आईडी डालकर रिजल्ट देख सकेंगे। साथ ही इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा वेब पोर्टल की लिंक भी क्यूआर कोड़ के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। प्रदेश में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर कराई गई थी। यह विगत 20 से 28 फरवरी के बीच हुई थी। जिसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 12 लाख 76 हज़ार से अधिक तथा कक्षा 8वीं के 10 लाख 92 हज़ार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। प्रदेश में लगभग 23 लाख 68 हजार से अधिक विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केन्द्र बनाये गए थे। इन मूल्यांकन केन्द्रों में 1 लाख 10 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई है।

महिला सम्मान का असली अर्थ तब होगा जब महिलाओं के खिलाफ अपशब्द बंद होगा : एआईजी सिंह

- मप्र राज्य महिला आयोग के 28वां स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

भोपाल,(निप्र) । मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग का 28वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। राज्य शासन द्वारा 23 मार्च 1998 को मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।एआईजी महिला सुरक्षा शाखा बीना सिंह ने कहा कि आज समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है। अब लगभग सभी विभागों में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है और वे हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन महिलाओं के खिलाफ बोले जाने वाले अपशब्द बंद हो जाएंगे, उसी दिन वास्तविक अर्थों में महिला सम्मान स्थापित होगा। आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने कहा कि लैंगिक भेदभाव, पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था और घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय

महिला आयोग तथा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती नकी जहां कुरैशी, POSH की विशेषज्ञ श्रीमती भावना त्रिपाठी और शिखा छिब्बर, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, जवाहर बाल भवन के बच्चे तथा आयोग कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।समारोह में विशेष रूप से उन पुरुषों को भी सम्मानित किया गया, जो समाज में जेंडर समानता के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस क्रम में उदय सामाजिक संस्था के सोनू सोलंकी, आरंभ संस्था के विजय यादव, रोहित बेड़िया और जितेन्द्र राजाराम को लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता, सेनेटरी नैपकिन उपलब्धता तथा बेड़िया समुदाय की महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए विशेष कार्यों के लिए महिला आयोग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने महिला अधिकारों की सुरक्षा और समाज में समानता की भावना को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

अप्रैल माह में शुरु होगा समर कैंप, नई प्रतिभाओं को मिलेगा मंच : मंत्री श्री सारंग

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक ली

भोपाल,(निप्र) । सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय गतिविधियों और आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने अप्रैल माह में होने वाले समर कैंप की तैयारियों पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि इसका आयोजन पुख्ता किया जाए, जिससे अधिक से अधिक नए बच्चे खेल मैदान तक पहुंचें और उनकी प्रतिभा को प्रारंभिक स्तर से ही पहचानकर उन्हें उत्कृष्ट

खिलाड़ी के रूप में निखारा जा सके।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल अधोसंरचना के विकास को गति देने के उद्देश्य से विभाग का स्वयं का सिविल विंग स्थापित करने की दिशा में ठोस कार्य योजना के साथ एक प्रस्ताव तैयार करें। उक्त प्रस्ताव को आगे की प्रक्रिया के लिए विभाग द्वारा सरकार के पास भेजा जाएगा।

कहा कि इससे निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और खेल परिसरों के रख-रखाव को भी अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। मंत्री श्री सारंग ने कोचिंग व्यवस्था को बेहतर करने पर बल देते हुए कहा कि कोचों की पदोन्नती प्रक्रिया की कार्य योजना तैयार करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि हेड कोच एवं कोचों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा और खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

भोपाल एम्स में रोजा इफ्तार पर विवाद

- बजरंग दल ने गंगाजल से किया परिसर का शुद्धिकरण
- विधायक शर्मा ने कहा कार्यवाही होगी

भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल में स्थित एम्स परिसर में बीते दिनो रोजा इफ्तार आयोजन को लेकर विवाद शुरु हो गया है। इसकी जानकारी लगने पर जहॉ

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने परिसर का गंगाजल से शुद्धिकरण किया वहीं भाजपा विधायक ने जॉच के बाद कार्यवाही किये जाने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन के खिलाफ प्रर्दशन कर अपना कड़ा विरोध जताते हुए संबंधित एचडीओ को पद से हटाने की मांग करने के साथ ही चेतावनी दी कि प्रशासन द्वारा भविष्य में परिसर में इस प्रकार की गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाये। प्रदर्शन में संगठन के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। वहीं इसे लेकर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि एम्स में जो घटनाक्रम हुआ है वह हमारी जानकारी में लेट आया है, इसकी जांच के लिए पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। एम्स प्रशासन भी इसकी जांच करेंगे, और इसके पीछे जिसका षड्यंत्र होगा उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। वहीं उन्होनें यह भी कहा की जहॉ रोजा अफ्तार करना है, वहॉ करिये, भारत सरकार ने एम्स को इलाज करने के लिए बनाया है। यहॉ मरीजों का इलाज होने दीजिए और आपको भी इलाज कराना है तो यहां आ जाइए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित ग्वालियर की बेटी अनुष्का का किया आत्मीय सम्मान

मुँह मीठा कराकर साझा की खुशियां

ग्वालियर (ए.)। शक्ति की आराधना के महापर्व नवदुर्गा महोत्सव के पावन अवसर पर ग्वालियर ही नहीं समूचे मध्यप्रदेश को गौरवशाली क्षण और नारी शक्ति को शक्ति मिली है। ग्वालियर की प्रतिभाशाली बेटी और नारी शक्ति की प्रतीक कु. अनुष्का शर्मा को भारतीय महिला टी-20 क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिभाशाली क्रिकेटर कु. अनुष्का शर्मा का सम्पूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से ग्वालियर विमानतल पर आत्मीय सम्मान किया। साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल होने के लिये अनुष्का एवं उनके पिता बृजमोहन शर्मा को बधाई और शुभकामनायें दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुष्का शर्मा का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने अनुष्का का मुँह मीठा कराया और जनप्रतिनिधियों के साथ खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को अल्प प्रवास (ट्रांजिट विजिट) पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल ग्वालियर पहुँचे थे। इस अवसर पर उन्होंने पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर अनुष्का शर्मा व उनके पिता बृजमोहन शर्मा को सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामनिवास रावत व भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिले में बुधवार को 6 जरूरतमंद महिलायें बनेंगीं "शक्ति दीदी"

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर जिले में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप हुए "शक्ति दीदी" नवाचार से जरूरतमंद महिलाओं को लगातार रोजगार मिल रहा है। इस नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में जिला प्रशासन द्वारा नौकरी दिलाई जा रही है। बुधवार 25 मार्च को 6 जरूरतमंद महिलायें "शक्ति दीदी" बनेंगीं। जिले में वर्तमान में शक्ति दीदी के तहत पहले से ही जिले में 101 महिलाएं यह भूमिका सफलतापूर्वक निभा रही हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुँचकर महिलाओं को "शक्ति दीदी" के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी दिलायेंगे। कलेक्टर श्रीमती चौहान 25 मार्च को प्रात: 11.30 बजे एसआर पेट्रोलियम काल्पी ब्रिज रोड पर सुश्री मधु, सुश्री खुशबू व सुश्री हेमलता को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपेंगी। इसी तरह श्री गंगा सर्विस स्टेशन वीरपुर में सुश्री मुस्कान, इन्दु फिलिंग स्टेशन गुड़ागुड़ी का नाका पर सुश्री शानू खान एवं अलापुर पेट्रोलियम मंथन बैंक्वेट के सामने सुश्री कविता को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक पाठशाला : मंत्री सुश्री भूरिया

आंगनवाड़ी केन्द्र में पोषण और शिक्षा दोनों का रखा जाता है समग्र ध्यान

97 हजार आंगनवाड़ी केन्द्रों में 'विद्यारंभ' उत्सव

इन्दौर (ए.)। मध्यप्रदेश में शाला-पूर्व शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रदेशभर के आंगनवाड़ी केन्द्रों में मंगलवार को बच्चों का विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया आंगनवाड़ी से प्रारंभिक शिक्षा पूरी कर विद्यालय में प्रवेश लेने जा रहे बच्चों को 'विद्यारंभ प्रमाणपत्र' प्रदान कर सम्मानित किया। प्रदेश के 97 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों में एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 10 लाख बच्चे आंगनवाड़ी से आगे बढ़कर औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर कदम रख रहे है भोपाल के नेहरू नगर आंगनवाड़ी क्रं. 1061 में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक पाठशाला हैं, जहाँ पोषण और शिक्षा दोनों का समग्र ध्यान रखा जाता है।

आंगनवाड़ी केन्द्र केवल बच्चों की देखभाल का स्थान नहीं बल्कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा का समन्वित केन्द्र हैं। यहाँ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन से लेकर बच्चे के जन्म और छह वर्ष की आयु तक उनके पोषण, स्वास्थ्य और समग्र विकास का ध्यान रखा जाता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में "पोषण भी, पढ़ाई भी" कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, इससे बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाती है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि 3 से 6 वर्ष की आयु के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी आधार पर वे आगे विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार होते हैं। भारत सरकार के निर्देशानुसार अब आंगनवाड़ी में 3 वर्ष की प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने वाले बच्चों को 'विद्यारंभ प्रमाणपत्र' प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनकी शाला-पूर्व शिक्षा को औपचारिक मान्यता मिल सके।

अनूपपुर से शहडोल पहुंचे हाथियों का दल: बुढार के जंगलों में डेरा, वन विभाग अलर्ट

अनूपपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में बीते करीब तीन महीनों से लोगों के लिए दहशत बने तीन हाथियों का दल अब शहडोल जिले के बुढार वन परिक्षेत्र में पहुंच गया है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात यह समूह अनूपपुर की सीमा पार कर हरदी बीट के अरझुली और सारंगपुर के बीच स्थित 'कचरा' नामक राजस्व जंगल में डेरा डाले हुए है।वन परिक्षेत्र अधिकारी स्वर्ण गौरव सिंह के अनुसार, यह दल रविवार को खांडा के जंगलों में देखा गया था। इसके बाद हाथियों ने खांडा, पोंडी और मानपुर होते हुए सोन नदी पार की और सोमवार सुबह चिल्हारी गांव के पास पहुंचे। दिनभर विश्राम करने के बाद रात में यह दल खम्हरिया बीट से आगे बढ़ते हुए शहडोल के बुढार रेंज के कपिलधार गांव तक पहुंच गया।इस दौरान हाथियों ने रास्ते में नुकसान भी पहुंचाया। कपिलधार के पास किसान राम सिंह के बाड़ी में लगे कटहल के पेड़ों को नुकसान पहुंचाया गया। इससे पहले मेडियारास गांव में भी हाथियों ने उत्पात मचाते हुए अशोक पटेल और श्याममुरारी पटेल के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को बर्बाद कर दिया। साथ ही बिहार सोनी के घर का दरवाजा तोड़कर अंदर रखा महुआ भी खा लिया।लगातार स्थान बदल रहा यह हाथियों का दल सोमवार सुबह बकान नदी के किनारे वकानटोला में आम के पेड़ के नीचे विश्राम करता भी देखा गया था।

जिले की आंगनवाड़ियों में लगीं बाल चौपाल, हुआ 'विद्यारंभ समारोह' का आयोजन

बच्चों को सौंपे गए 'विद्यारंभ प्रमाण-पत्र'

ग्वालियर (आरएनएस)। ग्वालियर जिले में भी प्रारंभिक शिक्षा को नई पहचान देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा की गई पहल के तहत मंगलवार 24 मार्च को 1493 आंगनबाड़ियों में बाल चौपाल लगाकर उत्साहपूर्वक विद्यारंभ समारोह का आयोजन हुआ। शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे 5 से 6 आयु के बच्चों को विद्यारंभ समारोह में 25 हजार 920 "विद्यारंभ प्रमाण-पत्र" प्रदान कर उन्हें औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर अग्रसर किया गया।इस अवसर पर यूट्यूब के जरिए भोपाल में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण हुआ। साथ ही प्रतिभागियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया का उदबोधन सुना। कार्यक्रम में विद्यारंभ प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इससे शाला पूर्व शिक्षा को सामाजिक और संस्थागत मान्यता मिलेगी। आंगनबाड़ी केन्द्र वीरपुर में क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता भूपेन्द्र कुशवाह एवं संयुक्त संचालक महिला बाल विकास श्रीमती सीमा शर्मा की मौजूदगी में विद्यारंभ समारोह आयोजित हुआ। इसी तरह मीडिया रिसोर्स सेंटर मुरार में जनपद पंचायत के अध्यक्ष दिलराज किरार व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती उपासना राय की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके अलावा जिले की अन्य आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी बाल चौपाल एवं विद्यारंभ महोत्सव का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने बताया कि केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

व्यापार समाचार

रुपए में लौटी तेजी, डॉलर के मुकाबले मजबूत खुला

नई दिल्ली (आरएनएस)। डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को मजबूती के साथ खुला है। इसकी वजह मध्य पूर्व में तनाव कम होने के संकेत मिलना है।

मौजूदा समय में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.64 पर है। वहीं, पिछले सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपए ने 93.98 रिकॉर्ड लो बनाया था।

माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले को फिलहाल पांच दिनों के लिए टालने से मध्य पूर्व में तनाव पहले के मुकाबले कम हो गया है।

विश्लेषकों के कहा, बाजार ने पांच दिन के विराम का स्वागत तो किया है, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त नहीं है और आगे तनाव कम होने के किसी भी संकेत से डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत हो सकता है।

सोमवार को मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के चलते डॉलर के मुकाबले रुपया 0.37 प्रतिशत कमजोर हो गया था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार के भावना को काफी कमजोर कर दिया है। भारत की कच्चे तेल की शुद्ध आयातक स्थिति के कारण आयात बिल में भारी वृद्धि हो रही है, जिससे रुपए में गिरावट को बढ़ावा मिल रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति को और बढ़ा सकती हैं, जिससे विकास अनुमानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और रुपए पर और दबाव बढ़ सकता है।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि मैक्रो आउटलुक अभी भी नाजुक बना हुआ है और जब तक भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी, मुद्रा की कमजोरी बनी रहने की संभावना है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निकट भविष्य में रुपया 93.25-94.25 के कमजोर दायरे में ही रहने की संभावना है, और जब तक तनाव कम होने का कोई मजबूत कारण नहीं मिलेगा, तब तक बाजार का रुख नकारात्मक बना रहेगा।

ट्रंप के इस बयान के बाद निवेशकों का मनोबल बढ़ा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों में "बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत" हुई है, और वाशिंगटन ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी सैन्य हमले को पांच दिनों के लिए स्थगित कर दिया है।

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई बुलेटिन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक बुलेटिन में कहा गया कि मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान भी इस मजबूती को दर्शाते हैं।

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, फरवरी में देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी देखने को मिली। महंगाई (सीपीआई) में बढ़ोतरी खाद्य और पेय पदार्थों की वजह से हुई। सिस्टम में नकदी (लिक्विडिटी) पर्याप्त बनी रही और व्यापारिक क्षेत्र को मिलने वाली वित्तीय सहायता में भी बढ़ोतरी हुई। साथ ही भारत के विदेशी मुद्रा भंडार भी इतने मजबूत हैं कि बाहरी झटकों से बचाव कर सकें।

रिपोर्ट में कहा गया कि मध्य पूर्व में युद्ध और अमेरिका द्वारा व्यापार जांच शुरू किए जाने से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, आयात शुल्क और सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

घरेलू स्तर पर, भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को देखते हुए स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि समय के साथ

भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों को झेलने में ज्यादा सक्षम हुई है, जिसकी वजह मजबूत ग्रोथ, बेहतर आर्थिक आधार और मजबूत विदेशी सेक्टर है।

ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत ने अपने तेल आयात के स्रोतों में विविधता लाई है और रिफाइनिंग क्षमता भी बढ़ाई है। युद्ध शुरू होने के बाद सरकार ने कई कदम उठाए हैं ताकि वैश्विक सप्लाई में आई बाधाओं का असर कम किया जा सके और घरेलू संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सके।

आरबीआई ने यह भी सुझाव दिया कि 'इकोनॉमिक स्टेबलाइजेशन फंड' बनाने से सरकार को ऐसे वैश्विक संकटों से निपटने के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहारा मिल सकता है।

जीडीपी के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, जिसमें घरेलू मांग का बड़ा योगदान है। निजी खपत और निवेश दोनों मजबूत रहे हैं। तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी।

फरवरी में शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग मजबूत रही। कम टैक्स, खरीफ फसल से आय और शादी के सीजन ने इसमें मदद की। इस दौरान टू-व्हीलर, पैसेंजर वाहन और ट्रैक्टर की बिक्री फरवरी में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं कृषि क्षेत्र भी मजबूत रहा और वित्त वर्ष 2026 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहने का अनुमान है।

वैश्विक स्तर पर, मध्य पूर्व के तनाव के कारण तेल और गैस की सप्लाई बाधित हुई, जिससे कमोडिटी और वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने इसे वैश्विक तेल बाजार के इतिहास की सबसे बड़ी सप्लाई बाधा बताया है।

ट्रंप के बयान से भारतीय शेयर बाजार झूमा, सेंसेक्स 1500 अंक चढ़ा; निफ्टी में भी 350 अंकों की तेजी

मुंबई (आरएनएस)। मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार की मंगलवार को शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स 1,516.08 अंक या 2.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,212.47 और निफ्टी 365.80 अंक या 1.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,878.45 पर खुला। बाजार में चौतरफा तेजी देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार में करीब सभी सूचकांक हरे निशान में बने हुए थे, जिसमें निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स टॉप गेनर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 772 अंक या 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,490 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 219 अंक या 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,318 पर था। चॉइस ब्रोकिंग में टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा कि निफ्टी अपने छोटे अवधि के सपोर्ट जोन से नीचे कारोबार कर रहा है और इसका रुझान कमजोर बना हुआ है। इसका रुकावट का स्तर 22,650-22,700 के आसपास है। दूसरी ओर, सपोर्ट 22,300-22,400 के आसपास देखा जा रहा है और इसके नीचे कमजोरी से निकट भविष्य में गिरावट और बढ़ सकती है।

सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, इंडिगो, इटरनल, ट्रेंट, टाइटन, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एसबीआई और एचयूएल गेनर्स थे।

7000 हजार रुपए से ज्यादा सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में भी गिरावट; जानें क्या हैं नए दाम

मुंबई (आरएनएस)। मिडिल-ईस्ट में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आमतौर पर सुरक्षित निवेश माने जाने वाला सोना इस बार दबाव में नजर आ रहा है और सालभर की अपनी बढ़त लगभग गंवाने की स्थिति में पहुंच गया है।Bloomberg की रिपोर्ट के मुताबिक, हालिया कारोबार में सोने की कीमत करीब 3.8त्न गिरकर 4,320 डॉलर प्रति औंस तक आ गई, जो पिछले साल के स्तर के करीब है। लगातार आठ सत्रों से जारी गिरावट ने बाजार को चौंका दिया है और इसे 1983 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावटों में गिना जा रहा है।

घरेलू बाजार में भी इसका असर साफ दिखा। MCX पर चांदी की कीमत करीब 6% यानी 13,606 रुपये गिरकर 2,13,166 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं सोना लगभग 5% या 7,115 रुपये टूटकर 1,37,377 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में Singapore में स्पॉट गोल्ड 3.3% गिरकर 4,343 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि चांदी भी 3.4% टूटकर 65.61 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। प्लैटिनम और पैलेडियम में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे साफ है कि पूरे कीमती धातु बाजार पर दबाव बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बढ़ती महंगाई और ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें हैं। Federal Reserve समेत कई केंद्रीय बैंकों ने संकेत दिए हैं कि फिलहाल ब्याज दरों में जल्द कटौती की संभावना कम है। ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए नकारात्मक मानी जाती हैं, क्योंकि सोना कोई ब्याज नहीं देता।इसके अलावा, मध्य-पूर्व में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिससे महंगाई का दबाव और बढ़ा है। इसी के चलते बाजार में फोर्स्ड सेलिंग यानी मजबूरी में बिकवाली भी देखने को मिल रही है। जब अन्य एसेट क्लास में नुकसान होता है, तो निवेशक घाटे की भरपाई के लिए सोना बेचते हैं, जिससे कीमतों पर और दबाव पड़ता है।Iran, Israel और United States के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

गैस संकट के अभी शुरुआती दिन

पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है।

रसोई गैस के लिए हाहाकार मच गया है। जगह-जगह से सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारों की खबरें मिल रही हैं। ये हाल तब है, जबकि सरकार ने एलपीजी की 80-85 फीसदी सप्लाई औद्योगिक क्षेत्र से घरेलू उपयोग के लिए भेजने का निर्णय लिया है। कॉमर्शियल उपयोग के लिए गैस की सप्लाई काफी हद तक बाधित हो चुकी है। गौरतलब है कि अभी संकट के शुरुआती दिन हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। अब यह सामने आया है कि चूंकि गैस का भंडारण मंहगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार सप्लाई पर ही निर्भर बनाए रखा। अब चूंकि मुश्किल आ खड़ी हुई है, तो सरकार आपातकालीन निर्णय लेने को मजूबर है। उसने ऐसे लिए हैं, जिनसे घरेल उपभोक्ताओं को अधिकतम राहत मिल सके। यह सही, मगर समस्याग्रस्त प्राथमिकता है। आखिर श्रमिक वर्ग के लोग फैक्टरियों या कार्यस्थलों पर कैंटीन या ढाबों में भोजन करते हैं।लाइन होटल ट्रक एवं बस ड्राइवरों और अन्य लंबी दूरी के यात्रियों के खाना खाने की जगहें हैं। फिर अनगिनत लोग रोज कामकाज के सिलसिले में यात्राओं पर जाते हैं, जो रेस्तरां या होटलों में ही भोजन करते हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि अनेक शहरों से रेस्तरां और होटलों में मेनू की कटौती हो रही है और कुछ रोज में उनके बंद हो जाने की चेतावनी दी गई है। रेस्तरां और क्लाउड किचन पर लाखों कर्मचारी एवं होम फूड डिलीवरी से जुड़े गिग वर्कर निर्भर हैँ। उधर औद्योगिक गैस की कटौती से कल-कारखाने बंद हुए, तो उसका असर लाखों नौकरीशुदा लोगों पर पड़ेगा। उत्पादन, वितरण, एवं उपभोग में गिरावट से अर्थव्यवस्था पर होने वाला दूरगामी असर अलग है। तो कुल मिलाकर देश एक बड़ी मुश्किल में फंसता नजर आ रहा है। इसके मद्देनजर क्या यह कहना काफी होगा कि युद्ध होता है, तो दिक्कत होती है? या एहतियाती कदम ना उठाने के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्म दिवस पर विशेष

नीति, नवाचार और निवेश से आर्थिक समृद्धि के नए कीर्तिमान रचता मध्यप्रदेश

बबीता मिश्रा

वैश्विक अर्थव्यवस्था के पुनर्संतुलन के इस दौर में भारत की विकास यात्रा अब केवल राष्ट्रीय नीतियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राज्यों की क्षमता, नेतृत्व की स्पष्टता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता उसकी गति निर्धारित कर रही है। ऐसे समय में मध्यप्रदेश ने स्वयं को एक संसाधन आधारित राज्य से आगे बढ़ाकर एक रणनीतिक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश को केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्पादन, रोजगार और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़े व्यापक परिवर्तन के रूप में देखा है। उनके स्पष्ट मार्गदर्शन में नीति सुधार, प्रशासनिक सरलीकरण, औद्योगिक आधार विस्तार और निवेश प्रस्तावों को धरातल तक पहुंचाने की प्रक्रिया को एकीकृत ढंग से आगे बढ़ाया गया है। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि नीति की स्पष्टता, नवाचार की स्वीकृति और निवेश के प्रति सक्रिय प्रतिबद्धता के समन्वय से मध्यप्रदेश आर्थिक समृद्धि के ऐसे नए कीर्तिमान रच रहा है जो राष्ट्रीय स्तर पर एक उदाहरण के रूप में उभर रहे हैं।

नीति आधारित पारदर्शिता और निवेश का विश्वास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगों के लिए भरोसे का वातावरण निर्मित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उद्योग संवर्धन नीति 2025 सहित विभिन्न सेक्टर आधारित नीतियों के माध्यम से निवेशकों को स्पष्ट प्रोत्साहन ढांचा उपलब्ध कराया गया है। श्रम प्रधान क्षेत्रों जैसे गारमेंट, फुटवियर और खिलौना निर्माण में बड़े निवेश को मेगा उद्योग का दर्जा देकर अनुकूलित प्रोत्साहन पैकेज प्रदान किए जा रहे हैं।

मोहन सरकार ने प्रक्रियाओं की जटिलता को कम करने के लिए मध्यप्रदेश जन विश्वास संशोधन अधिनियम के माध्यम से अनेक प्रावधानों का अपराधमुक्तिकरण किया गया। इससे उद्योगों में अनावश्यक भय और दंडात्मक संस्कृति की जगह विश्वास आधारित प्रशासन को बढ़ावा मिला है। सिंगल विंडो व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त करते हुए इन्वेस्ट एमपी 3 पोर्टल प्रारंभ किया गया है, जो निवेशकों को नीति, अनुमतियां, प्रोत्साहन और व्यवहार्यता से जुड़ी जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराता है। यह पहल मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उस सोच को दर्शाती है जिसमें सरकार स्वयं को नियंत्रक नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में स्थापित करती है।

निवेश प्रस्तावों से उद्योग स्थापना तक

राज्य में आयोजित वैश्विक निवेश मंचों और औद्योगिक संवादों के

माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इन प्रस्तावों को केवल समझौता पत्र तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उन्हें उद्योग स्थापना में बदलने के लिए निरंतर निगरानी और सीधी समीक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं निवेश परियोजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हैं। विभागीय समन्वय को मजबूत किया गया है ताकि भूमि आवंटन, स्वीकृतियां, आधारभूत सुविधाएं और प्रोत्साहन समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराए जा सकें। परिणामस्वरूप अनेक परियोजनाएं उन्नत अवस्था में पहुंच चुकी हैं और कई इकाइयां उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि मध्यप्रदेश में निवेश केवल घोषणा नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की प्रक्रिया है।

औद्योगिक आधार और मजबूत अधोसंरचना

राज्य में विशाल औद्योगिक भूमि बैंक उपलब्ध है और नए औद्योगिक पार्कों का विकास तीव्र गति से किया जा रहा है। मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों के उन्नयन के साथ आधुनिक आधारभूत संरचना सुनिश्चित की जा रही है। धार जिले में विकसित हो रहा पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क योजना के अंतर्गत देश के सबसे बड़े एकीकृत टेक्सटाइल पार्क के रूप में उभर रहा है। यह परियोजना फाइबर से फैशन तक पूरी मूल्य श्रृंखला को एक स्थान पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।रतलाम में विकसित हो रहा मेगा औद्योगिक पार्क, सागर क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल आधारित संभावनाएं, ग्वालियर में फुटवियर पार्क, नर्मदापुरम में रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण निर्माण क्षेत्र और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी पहलें औद्योगिक विविधीकरण को सुदृढ़ कर रही हैं। एशिया का प्रमुख ऑटो परीक्षण केंद्र इझ्ञक्रङ्ग राज्य में स्थित है। रीवा सौर परियोजना और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश की पहचान को मजबूत किया है।

निर्यात और उत्पादन क्षमता का विस्तार

मध्यप्रदेश का वार्षिक निर्यात निरंतर वृद्धि दर्ज कर रहा है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा, इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल और खनिज आधारित उद्योग निर्यात संरचना के प्रमुख आधार हैं। राज्य भारत के ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में अग्रणी है, जिससे टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक सस्टेनेबल सप्लाई चेन में विशेष स्थान मिला है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में गेहूं, सोयाबीन, दालें और मिलेट आधारित उत्पादों की बढ़ती मांग प्रदेश के लिए नए बाजार खोल रही है।स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अधिशेष विद्युत उत्पादन वाले राज्यों में शामिल है और ऊर्जा भंडारण तथा बैटरी निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं विकसित की जा रही हैं।

समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 की दिशा

समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 का विजन दस्तावेज प्रदेश की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति को स्पष्ट करता है। इसमें एमएसएमई, स्टार्टअप, महिला उद्यमिता और तकनीक आधारित नवाचार को विकास का प्रमुख आधार माना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। इसलिए कौशल विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह विजन केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेशन के संतुलित मॉडल की ओर संकेत करता है।

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान

भारत आज वैश्विक आर्थिक संरचना में नई भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है। इस यात्रा में राज्यों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश अपनी नीतिगत स्पष्टता, औद्योगिक विस्तार और निवेश अनुकूल वातावरण के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में सशक्त योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह संदेश स्पष्ट किया है कि विकास घोषणाओं से नहीं, बल्कि धरातल पर स्थापित उद्योगों, सृजित रोजगार और मजबूत आर्थिक आधार से मापा जाता है।

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

- विनोद कुमार सिंह

एआई कौशल,नागरिक भागीदारी और सुलभ प्रसारण से बदलता भारत का डिजिटल भविष्य वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी। यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं।

यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालाँजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है। यह मंच केवल कंटेंट निर्माण का माध्यम नहीं,बल्कि एक सामाजिक- सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभि व्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी।

हमारी नियति झूठमेव जयते

हरिशंकर व्यास

भारत हर दिन झूठ सुनता है। जैसे ताज़ा वाक्य है—हम बंगाल जीतेंगे और घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे! सोचें, भाजपा ने पूरा देश बारह वर्षों से जीता हुआ है और इन बारह वर्षों में बारह दर्जन घुसपैठिए भी भारत से नहीं निकाले गए! और तो और बांग्लादेश से सटे असम, त्रिपुरा, मणिपुर से लेकर दिल्ली, बिहार, यूपी आदि सभी को मोदी सरकार ने पिछले बारह वर्षों से जीता हुआ हैं, पर कितने घुसपैठिए भारत से निकाले गए? बावजूद इसके, फिर झूठ के बूते ही भाजपा बंगाल जीतेगी! ऐसे ही बाहर वर्षों से इज़राइल हमें सीमा सुरक्षा, आतंकवाद के मामले में ड्रोन आदि हर तरह की मदद करता हुआ है, लेकिन इन्हीं बारह वर्षों में पुलवामा से लेकर पहलगाम के आतंकी हमले हुए, जो न तो सामान्य थे और न जिनका कोई ज़िम्मेदार एक भी आतंकी पकड़ा गया। बावजूद इसके, नागरिकों में भय और असुरक्षा पैदा कर उनके वोट लेते रहने के लिए आतंक मिटाने का झूठा नैरेटिव स्थायी है।

सोचें, पिछले सप्ताह नई वैश्विक क्रांति एआई का दिल्ली में कैसा मेला-तमाशा हुआ? भारत को अमेरिका, चीन जैसा एआई महाबली बताया गया। जबकि इस सप्ताह की हक़ीक़त यह है कि भारत की आईटी कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिरे। टीसीएस, इंफोसिस जैसी नामी कंपनियों के शेयरों की कीमत 18 से 25 प्रतिशत लुढ़की। अकेले फरवरी में भारत की आईटी कंपनियों का 47 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन खत्म हुआ है।

पर मुमकिन है इस सप्ताह से यह नया झूठ शुरू हो कि पहले से ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह छल होगा जीडीपी वृद्धि की गणना के आधार वर्ष को बदलकर।

इस नए आधार वर्ष के साथ भारत की सांख्यिकी एजेंसी डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों के योगदान को जीडीपी में बढ़ाने वाली है। मतलब जैसे एआई में भारत हवाहवाई है, वैसे ही डिजिटल सेवाओं और सोलर यानी नवीकरणीय ऊर्जा में भी बस ऐवें ही है।

जबकि मैन्युफैक्चरिंग या खेती में ठोस उत्पादन या पैदावार के वास्तविक आँकड़े उपस्थित होते हैं। जैसे चीन के आँकड़े उसकी फैक्ट्रियों, खेती, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोबोट, महानगरों के साक्ष्य से भी प्रकट हैं। मगर भारत में आगे डिजिटल खांचे से जीडीपी के आँकड़े चाहे जो हो सकते हैं। वह भी तब, जब भारत के आईटी क्षेत्र की नामी कंपनियों को एआई की वजह से लेने के देने पड़ रहे हैं।

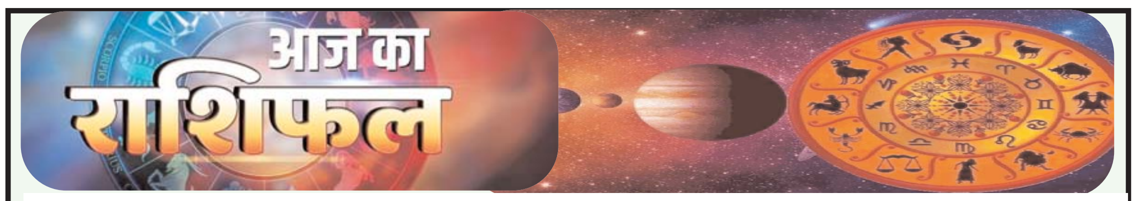

मेष राशि- आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आज आपका करीबी आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। माता को लाल चुनरी चढ़ाए, रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज काम शुरू करते वक्त आपको सोच विचार करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। नेत्र संबंधित समस्या के लिए डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहने की जरूरत है।

मिथुन राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। नया ऑफिस ज्वॉइन करना चाहते हैं तो समय आपका साथ देगा। कार्य क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। आज नौकरी में उल्लास का माहौल बनेगा। डॉक्टर्स आज अपने सीनियर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। माता के आगे माथा टेके, कारोबार में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज दोस्तों के साथ बाहर खाने का प्लान बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच समझकर फैसला लेना चाहिए। आज आप नया सामान खरीदने का मन बना सकते हैं। व्यापार में थोड़ा बदलाव लाएंगे। आज आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आज किसी कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें, आपकी मेहनत रंग लायेगी।

सिंह राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में अनुकूल स्थितियां बनी रहेंगी। आज बड़ों का सपोर्ट आपको मिलेगा। आज बच्चों के साथ आप समय बिताएंगे। आज आपको वाहन सुख के योग बन रहे हैं। लवमेट आज एक दूसरे के भावनाओं की कद्र करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। बिजनेस में डील आज फाइनल होगी। आज नए क्लाइंट्स के साथ मीटिंग करेंगे। अविवाहितों के चल रहे रिश्ते की बात जल्द पक्की होगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खु़शी के पल बितायेंगे। किसी के सहयोग से आपको लाभ होगा। मां दुर्गा की उपासना करें, आपके आय में बढ़ोतरी होगी।

तुला राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना अच्छा रहेगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। इस राशि के प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को समझदारी से तैयारी करनी चाहिए। माता पिता की जिम्मेदारियों को उठाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। माता के सामने घी का दीपक जलाएं, जीवन में दूसरे लोगों का सहयोग मिलता रहेगा।

धनु राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य अनुसार सहायता करेंगे। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। दुर्गा स्त्रोत का पाठ करें, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप मशीनरी खरीदने का मन बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों में प्रेमभाव बढ़ेगा। लवमेट को मनचाहा उपहार मिलेगा। आर्ट्स के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। स्कंदमाता को मीठे का भोग लगाएं, किस्मत का साथ मिलता रहेगा।

कुंभ राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का प्रोजेक्ट जल्द पूरा हो जाएगा, लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बनेगा। परिवार के साथ माता दुर्गा की पूजा करें, जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

मीन राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मेहमान के आने से उनके सत्कार की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको आय के नए साधन मिलेंगे। सिविल इंजीनियर्स का आज पहले का प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों में सहयोग करेगी। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, आपके सभी रुके हुए काम बनेंगे।

अहंकार की आग मेंझुलसती दुनिया और युद्ध की राख में दबती मानवता का भविष्य

-कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया काभू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ा है, जहां हर अगला कदम केवल तनाव को और गहरा करने वाला साबित हो सकता है। हाल के घटनाक्रमों में डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनियों, ईरान की आक्रामक प्रतिक्रिया और इजरायल पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संघर्ष अब केवल सीमित क्षेत्रीय टकराव नहीं रह गया, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर पैदा हुआ विवाद इस संकट का केंद्र बन चुका है। यह मार्ग दुनिया के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र की धुरी माना जाता है। यहां किसी भी प्रकार की रुकावट न केवल तेल बाजार को झकझोरती है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संकट में डाल देती है। जब अमेरिका ने 48 घंटे का अल्टीमेटम देकर इस मार्ग को खोलने की मांग की, तो यह केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं था, बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी था।

दूसरी ओर, ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमलों की चेतावनी दी और यह स्पष्ट किया कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाएगा, उसने इस संघर्ष को और अधिक खतरनाक बना दिया है। विशेष रूप से डीसैलिनेशन प्लांट्स और फ्यूल डिपो जैसे लक्ष्यों की बात करना इस ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में यह संघर्ष आम नागरिकों के जीवन पर सीधा प्रभाव डाल सकता है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत पर संकट उत्पन्न होना किसी भी क्षेत्र को मानवीय आपदा की ओर धकेल सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अडिग नजर आते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक शक्ति के भरोसे दबाव बनाने की नीति अपनाता रहा है, जबकि ईरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। यह टकराव केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि राजनीतिक अहंकार का भी प्रतीक बन चुका है।

इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने अपने अहंकार के कारण निर्णय लिए हैं, उसका परिणाम व्यापक विनाश के रूप में सामने आया है। चाहे वह शीत युद्ध का दौर रहा हो या मध्य पूर्व के पिछले संघर्ष, हर बार आम जनता को इसकी सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। आज भी वही स्थिति दोहराई जाती नजर आ रही है।

ईरान द्वारा इजरायल के शहरों पर किए गए मिसाइल हमलों और उसके बाद हुए नुकसान ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध में कोई भी पक्ष पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सकता। आधुनिक तकनीक और उन्नत हथियारों के बावजूद, हमलों का प्रभाव सीधे नागरिक क्षेत्रों तक पहुंचता है। अस्पताल, जल संयंत्र, बिजली व्यवस्था और संचार तंत्र—सब कुछ इस आग की चपेट में आ जाता है।

इस संघर्ष में एक और महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक प्रतिक्रिया का है। जी-7 देशों द्वारा ईरान के हमलों की निंदा और सऊदी अरब द्वारा ईरानी अधिकारियों को निष्कासित करना यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्रुवीकरण तेज हो रहा है। ऐसे में किसी भी छोटी घटना का बड़े युद्ध में बदलना अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

अमेरिका का रुख केवल ईरान तक सीमित नहीं दिखता। क्यूबा और वेनेजुएला जैसे देशों के प्रति उसकी नीति यह संकेत देती है कि वह वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए आक्रामक रणनीति अपनाने को तैयार है। क्यूबा के साथ दशकों पुरानी दुश्मनी और उस पर लगाए गए प्रतिबंध इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे राजनीतिक मतभेद आम जनता के जीवन को कठिन बना देते हैं।

यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या शक्ति प्रदर्शन वास्तव में समाधान है? क्या सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? इतिहास का उत्तर स्पष्ट है—नहीं। युद्ध कभी समाधान नहीं रहा, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम बना है।

भारत जैसे देशों का दृष्टिकोण इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तटस्थ और संतुलित विदेश नीति अपनाने की कोशिश की है। यह नीति न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है। भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है, जो आज के समय में सबसे आवश्यक है।

जब दुनिया के बड़े देश शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, तब भारत का यह दृष्टिकोण एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है। यह मार्ग बताता है कि संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान के आधार पर भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया जा सकता है।

युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहता। इसके प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ते हैं। बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाती हैं। इसके अलावा, युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है, जिसमें अपार संसाधनों की आवश्यकता होती है।

आज के समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और महामारी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में युद्ध जैसे संघर्ष इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संसाधनों का उपयोग जहां विकास और कल्याण के लिए होना चाहिए, वहीं वे विनाश के उपकरणों में बदल जाते हैं।

ग्लोबल तनाव के बीच भारत अलर्ट : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुलाई हाई-लेवल सुरक्षा समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश की सुरक्षा तैयारियों को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट मोड में है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस अहम बैठक में General Anil Chauhan (CDS), तीनों सेनाओं के प्रमुख, Samir V. Kamat (DRDO चेयरमैन) और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य फोकस मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच भारत की रक्षा तैयारियों, रणनीतिक योजनाओं और सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने पर रहा।

बजट से पहले दिल्ली विधानसभा, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार का आज बजट पेश होना है, लेकिन इससे पहले ही बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। दिल्ली विधानसभा, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और विधानसभा मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह 7:28 बजे विधानसभा को और 7:49 बजे स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में एलजी तरनजीत सिंह संधू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ-साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का भी उल्लेख किया गया है।धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गई। सुरक्षाकर्मी विधानसभा परिसर और स्पीकर के कक्ष में गहन जांच कर रहे हैं। वहीं, जानकारी यह भी सामने आई है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला है। फिलहाल पूरे इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और मामले की जांच जारी है।

अनंत सिंह चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा पर कायम, दुलारचंद हत्या मामले में खुद को बताया निर्दोष

पटना (आरएनएस)। बिहार के मोकामा क्षेत्र से विधायक अनंत सिंह सोमवार की शाम जेल से रिहा हुए हैं। इस रिहाई के बाद बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने खुद को निर्दोष बताते हुए दुलारचंद यादव हत्या में फंसाने की बात कही। उन्होंने मंगलवार को चुनाव नहीं लड़ने की बात को भी दोहराई। विधायक अनंत सिंह मंगलवार को बाढ़िया के लिए रवाना हुए। उनके साथ वाहनों का काफिला है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि घटना के समय वे मौके से करीब चार किलोमीटर दूर थे। उन्होंने साफ कहा कि हम निर्दोष हैं, हमें साजिश के तहत इस मामले में फंसाया गया है। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान दुलारचंद यादव की हत्या हो गई थी, जिसमें अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था। पटना उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद करीब चार महीने बाद वे जेल से रिहा हुए हैं। जेल से रिहा होने के बाद उनके समर्थकों में गजब का उत्साह है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने एक बार फिर चुनाव नहीं लड़ने की बात कही है। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या उनका बेटा चुनाव लड़ेगा, तो जवाब में उन्होंने कहा, यह जनता के बीच जाएगा। जनता का काम करेगा, तो यह चुनाव लड़ेगा। कार्यकर्ताओं में उत्साह को लेकर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में उत्साह तो रहेगा ही। इससे पहले राज्यसभा चुनाव के लिए भी जब अनंत सिंह जेल से विधानसभा मतदान करने पहुंचे थे, तभी उन्होंने ऐलान किया था कि अब वे आगे कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे।

नोएडा के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट मोड पर

नोएडा ,(आरएनएस)। नोएडा से एक चिंताजनक खबर सामने आई है, जहां शहर के कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकी के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। खास तौर पर सेक्टर-62 स्थित फादर एंजल स्कूल को मिले धमकी भरे मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्कूल प्रबंधन को ईमेल भेजकर परिसर में बम होने की सूचना दी गई। मेल मिलते ही स्कूल प्रशासन ने बिना देर किए एहतियातन कदम उठाए और अभिभावकों को तुरंत सूचना देकर बच्चों को स्कूल से वापस ले जाने के लिए कहा। इस दौरान स्कूल में मौजूद छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे किसी भी संभावित खतरे से बचाव किया जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही थाना सेक्टर-58 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पूरे स्कूल परिसर को अपने कब्जे में लेकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की मदद से स्कूल के हर कोने की गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर तलाशी अभियान को पूरी सावधानी के साथ जारी रखा गया।

अनिल अंबानी के बैंक फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट का फूटा गुस्सा, सीबीआई-ईडी को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCOM) के प्रमुख अनिल अंबानी से जुड़े करोड़ों रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के ढीले रवैये पर बेहद सख्त रुख अपना लिया है। अदालत ने इस हाई-प्रोफाइल मामले में सीबीआई (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच को 'अनिच्छुक' करार देते हुए गहरी नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने दोनों एजेंसियों को आपस में समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। पीठ ने साफ शब्दों में कहा है कि जांच एजेंसियों की यह ढिलाई बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह यह तय नहीं कर सकती कि किसे गिरफ्तार किया जाए, लेकिन एजेंसियों की जांच ऐसी पारदर्शी होनी चाहिए जो न सिर्फ अदालत बल्कि देश की आम जनता के मन में भी पूरा भरोसा पैदा कर सके।

CBI और ED को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, 'आपस में हाथ मिलाएं'

अपने कड़े आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों को नसीहत देते हुए कहा है कि उन्हें आपस में 'जॉइन हैंड्स' (साथ मिलकर काम) करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया है कि यह जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, स्वतंत्र और बिना किसी पूर्वाग्रह के होनी चाहिए। इसके साथ ही, अदालत ने सभी

संबंधित वित्तीय संस्थानों को भी सख्त हिदायत दी है कि वे ईडी की जांच में पूरा सहयोग करें। कोर्ट ने ईडी को यह छूट भी दी है कि अगर कोई संस्थान जांच में असहयोग करता है, तो एजेंसी सीधे अदालत को इसकी सूचना दे सकती है।

SIT का हुआ गठन, सरकार ने बताया 15 हजार करोड़ की संपत्ति हुई जब्त

इस गरमागरम सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को अहम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले की तह तक जाने के लिए ईडी अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (SIT) का गठन कर दिया गया है और अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को आश्वस्त किया कि बिना ठोस आधार के किसी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, लेकिन सच्चाई सामने लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने यह भी बड़ा खुलासा किया कि जांच के दौरान अब तक करीब 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

सिर्फ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों ? प्रशांत भूषण ने उठाए बड़े सवाल

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर कई गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने दलील दी कि इतने बड़े घोटाले में अब तक सिर्फ निचले स्तर के अधिकारियों की ही गिरफ्तारी की गई है। भूषण ने अदालत को बताया कि सेबी की रिपोर्ट में फंड की हेराफेरी की पूरी योजना का खुलासा होने के बावजूद, सीबीआई की तरफ से अभी तक कोई बड़ी गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद तय की है और ईडी को जरूरत पड़ने पर प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया

क्रिकेटर रिंकू सिंह बनेंगे यूपी में रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर, सीएम योगी देंगे नियुक्ति पत्र

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से निकलकर देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के मैदान पहचाने बनाने वाले क्रिकेटर रिंकू सिंह अब क्रिकेट के साथ ही एक नए रोल में नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार उन्हें आज नौकरी देने जा रही है और राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ उन्हें क्षेत्रीय खेल अधिकारी का नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। जहां वह खेल के विकास में प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाएंगे। रिंकू सिंह यूपी के अलीगढ़ के एक छोटे से गांव के रहने वाले और यहीं से निकल उन्होंने अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हालांकि पहले यूपी सरकार ने उन्हें राज्य में बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया था। लेकिन उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर विवाद हुआ तो राज्य सरकार ने नियुक्ति को कैंसिल कर दिया था और अब उन्हें खेल विभाग में क्षेत्रीय खेल अधिकारी के तौर पर नियुक्त करने का फैसला किया। रिंकू सिंह के अलावा आज क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स और पैरालंपिक जैसे विभिन्न खेलों से जुड़े कुल 14 खिलाड़ियों को सीएम योगी नियुक्ति पत्र देंगे। रिंकू सिंह ने घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कड़ी मेहनत करने के बाद आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

पहाड़ों में दौड़ी विकास की रेलः बैराबी-सैरांग रेल लाइन से मिज़ोरम पहली बार रेल मानचित्र पर

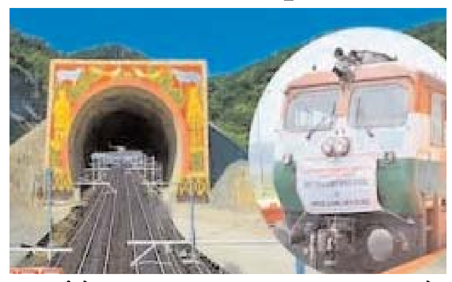

आईज़ोल (आरएनएस)। समय-सुबह 11 बजे। स्थान-सैरांग रेलवे स्टेशन, मिज़ोरम। पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए मीडिया प्रतिनिधियों का दल, पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के पहले दिन सैरांग रेलवे स्टेशन पहुँचा। पीआईबी जालंधर के मीडिया एवं संचार अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा उत्तर पूर्व भारत के विकास की बदलती तस्वीर को करीब से देखने का अवसर बनी।

बैराबी सैरांग रेल लाइन मिज़ोरम के लिए केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि विकास, संपर्क और आत्मनिर्भरता की नई राह है। पूर्वोत्तर भारत के लिए यह ऐतिहासिक क्षण तब साकार हुआ, जब पहाड़ी राज्य मिज़ोरम को देश के रेल मानचित्र से सीधे जोड़ने वाली बैराबी-सैरांग रेल लाइन जो 51.38 किमी है, पूरी हुई जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 सितंबर 2025 को देश को समर्पित किया था। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही उस उम्मीद का प्रतीक है, जो मिज़ोरम के लोगों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने का सपना दिखाती रही है।

अब तक मिज़ोरम देश का एकमात्र ऐसा राज्य था, जिसकी राजधानी तक रेल सेवा नहीं पहुँच पाई थी। सड़क मार्गों और हवाई सेवाओं पर निर्भर इस राज्य के लिए रेल कनेक्टिविटी एक बड़ी आवश्यकता थी। बैराबी-सैरांग रेल लाइन के पूरा होने से यह कमी भी दूर हो गई। यह परियोजना मिज़ोरम के कोलासिब और आइज़ोल ज़िलों के बीच से होकर गुजरती है और दुर्गम पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच से विकसित की गई है।

इस रेल लाइन के निर्माण में आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग किया गया है। कई सुरंगों और ऊँचे पुलों के माध्यम से तैयार यह रास्ता न सिर्फ़ तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण रहा, बल्कि यह भारतीय रेलवे की क्षमता और संकल्प को भी दर्शाता है। कठिन मौसम, भूस्खलन की आशंका और दुर्गमता के बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाया गया, जो इसे और भी विशेष बनाता है।

स्थानीय लोगों के लिए यह रेल लाइन जीवन में बदलाव लेकर आई है। अब राज्य के किसानों, व्यापारियों, छात्रों और मरीज़ों के लिए आवागमन आसान हुआ है। कृषि और बागवानी उत्पादों को देश के अन्य हिस्सों तक पहुँचाना सरल हुआ, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। पर्यटन क्षेत्र के लिए भी यह परियोजना नए अवसर खोले है, क्योंकि अब देशभर से पर्यटक आसानी से मिज़ोरम पहुँच सकते है।

सामाजिक स्तर पर भी इस रेल लाइन का प्रभाव गहरा हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार के अवसरों तक पहुँच आसान होने से क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में मदद मिली है। पूर्वोत्तर राज्यों को लंबे समय से जिस कनेक्टिविटी की कमी का सामना करना पड़ रहा था, यह परियोजना उस दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

बैराबी-सैरांग रेल लाइन न केवल मिज़ोरम के लिए, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विकास का नया द्वार खोलती है। यह परियोजना बताती है कि भौगोलिक चुनौतियाँ विकास की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि संकल्प मज़बूत हो। पहाड़ों के बीच दौड़ती यह रेल अब मिज़ोरम के सपनों, संभावनाओं और प्रगति की नई पटरी बन चुकी है।

इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौती जिसको संभव किया यह परियोजना भारतीय रेलवे की आधुनिक तकनीकी क्षमताओं को दर्शाती है जैसे कि:

1. लाइन दुर्गम पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों और घने जंगलों से होकर गुजरती है। परियोजना में न्यूनतम पर्यावरणीय हस्तक्षेप का सिद्धांत अपनाया गया। कट एंड फिल पद्धति से बचते हुए, सुरंग आधारित निर्माण तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ढलान स्थिरता, संरचनात्मक सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन सुनिश्चित हुआ।

इंसाफ के लिए आप अपने मंत्री पर भी एक्शन से पीछे नहीं हटती और बीजेपी अपनों को बचाने के लिए न्याय की बलि चढ़ा देती है : केजरीवाल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने गंभीर आरोप लगने के बाद अपने ही मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार करा दिया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही लालजीत भुल्लर का मंत्री पद से इस्तीफा ले लिया था और अब पुलिस को आदेश देकर उन्हें गिरफ्तार करा लिया। "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान सरकार के इस कड़े एक्शन की खुले दिल से सराहना करते हुए भाजपा को आइना भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि इंसाफ के लिए "आप" अपनी सरकार के मंत्री पर भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटती है। जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की बलि चढ़ा देती है। जब हरियाणा में एडीजीपी ने आत्महत्या की तो कई लोगों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन भाजपा और उसकी सरकार दोषियों को बचाने में उतर गई।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल ही में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के एक मंत्री पर गंभीर आरोप लगे। हमारी सरकार ने बिना किसी देरी या भेदभाव के उस मंत्री के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की और उसे न सिर्फ पद से हटाया, बल्कि गिरफ्तार भी करवाया। वहीं कुछ समय पहले हरियाणा में एक एडीजीपी ने आत्महत्या कर ली। कई लोगों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन उनकी पूरी पार्टी और सरकार दोषियों के समर्थन में उतर आई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा में यही फर्क है। जब बात इंसाफ की हो तो आम आदमी पार्टी अपनी ही सरकार के मंत्री पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटती, जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की ही बलि चढ़ा देती है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति आम आदमी पार्टी की जीरो टॉलरेंस की नीति है। अगर हमारा कोई मंत्री भी ऐसा काम करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। यह हमारा पहला केस नहीं है, इससे पहले दिल्ली में भी हमारी पार्टी ऐसे कड़े एक्शन लेती रही है। अगर कोई गलत करेगा और किसी ने किसी को जान देने पर मजबूर किया है, तो यह जांच का विषय है।

वाराणसी में सिलेंडर से गैस लीक, मकान ढहने से दो लोगों की मौत

वाराणसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार को गैस सिलेंडर लीक होने के कारण एक घर में धमाका हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। कुछ घायल हुए हैं जिनका इलाज हो रहा है। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गैस सिलेंडर से रिसाव के बाद विस्फोट होने की बात सामने आई है। घटना के समय घर में खाना बनाया जा रहा था और गैस लीक होने के कारण आग लग गई। उसके बाद अचानक धमाका हो गया, जिससे पूरा ढांचा गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर सिलेंडर मिला है। रेगुलेटर टूटा पड़ा था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इलाके में एहतियातन निगरानी बढ़ा दी गई है।मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा पुल के पास स्थित एक गली में मंगलवार उस समय अफरातफरी मच गई, जब गैस सिलेंडर रिसाव से हुए तेज धमाके से एक मंजिला मकान अचानक धराशायी हो गया।

गैस की किल्लत और कालाबाजारी के विरोध कांग्रेस का प्रदर्शन

–तेलीबांधा तालाब में किया गया सिलेण्डर का विसर्जन

रायपुर,(आरएनएस)। राज्य में आम जनता की दोहरी मार गैस सिलेण्डर की किल्लत और कालाबाजारी की विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले वार्ड स्तर पर प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया। वहीं जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में तेलीबांधा में गैस सिलेण्डर का विसर्जन किया गया। जिला अध्यक्ष श्री कुमार मेनन से मिली जानकारी के अनुसार अन्य प्रदेश में इस समय गैस की किल्लत हो रही, जिसके कारण कई होटल रेस्टॉरेंट बंद हो रहे हैं। इतना ही नहीं अगले महीने विवाह का सीजन होने से लोगों को परेशानी होगी। जारी विज्ञप्ति के अनुसार तेलीबाँधा तालाब में आज गैस सिलेंडर विसर्जन कार्यक्रम शहर कांग्रेस के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस द्वारा किया गया जिसमे एजेंसियों में बढ़ती कतार , आम और खास गरीब या अमीर सबको गैस सिलेंडर को लेकर हो रही परेशानियों के

खिलाफ सरकार को जगाने का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के खिलाफ़ नारेबाजी की गई और कालाबाजारी रोकने में असफ़ल राज्य सरकार पर जनता के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया गया । कार्यक्रम के दौरान प्रतीकात्मक रूप से गैस सिलिंडर का विसर्जन तेलीबांध तालाब में किया गया । कार्यक्रम में सुजीत सिंह , अजीत कुकरेजा , हीरेंद्र देवांगन , अविनय दुबे , महेंद्र कुमार सेन , वेंकट कुमार मंगल सिंह , जसमीत सिंह , गजेंद्र साहू ,राजू यादव , सुरेश बुधवानी,राधे नायक आदि उपस्थित थे।

दिल्ली बजट 2026 : 1.03 लाख करोड़ का ग्रीन बजट पेश, पर्यावरण पर खास फोकस

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए राजधानी के विकास के लिए कई बड़े ऐलान किए। इस बार सरकार ने 1 लाख 3 हजार 700 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया, जिसे पिछले साल के मुकाबले काफी बड़ा बताया गया है। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि इस बजट को लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ग्रीन बजट के रूप में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट को हर योजना और नीति में पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों की चिंता को शामिल किया गया है। इसी के तहत कुल बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण के लिए निर्धारित किया गया है। राजस्व के स्रोतों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 900 करोड़ रुपए नॉन-टैक्स रेवेन्यू से आएंगे, जबकि 591 करोड़ रुपए केंद्रीय सड़क निधि से प्राप्त होंगे। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत केंद्र सरकार से करीब 2,500 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि कुल बजट का 70.3 प्रतिशत हिस्सा राजस्व व्यय के लिए रखा गया है।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए इस बार बड़ा प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार 11,666 करोड़ रुपए की राशि एमसीडी को दी जा रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए 5,921 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इसके अलावा, शहरी विकास के लिए 7,887 करोड़, यमुनानगर के लिए 300 करोड़, झुग्गी विकास के लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 787 करोड़ और विकास विभाग के लिए 914 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मल्लिका शेरावत की धमाकेदार वापसी, करण जौहर के शो द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 में एंट्री

द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 अब और भी ग्लैमरस होने वाला है। खबर है कि इस बार शो में बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी अपनी चालें चलती नजर आएंगी। जैसलमेर के रेतीले धोरों के बीच शुरू हुई इस शो की शूटिंग और मल्लिका की एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। मल्लिका पहले भी रियलिटी शोज में धमाल मचा चुकी हैं और अब एक बार फिर वो दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं।

द ट्रेटर्स इंडिया 2 की शूटिंग जैसलमेर में शुरू हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिका शो से जुड़ गई हैं और शूटिंग का हिस्सा बन चुकी हैं। पिछले महीने से मीडिया में मल्लिका के शो में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब साफ हो गया है कि वो इस धोखे और सस्पेंस से भरे गेम का हिस्सा होंगी। पिछले दिनों खबर आई थी कि शो के होस्ट करण जौहर शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच चुके हैं।

लंबे समय से विदेश में रह रहीं मल्लिका एक बार फिर भारतीय स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार उन्हें साल 2024 में आई फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था। मल्लिका, जिन्होंने फिल्म मर्डर में अपने बोल्ड अवतार से रातों-रात शोहरत हासिल की थी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा नाम हैं। वो मशहूर पॉप आइकन ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो वॉट अ मैन में भी नजर आ चुकी हैं।

मल्लिका साल 2013 में अपने रियलिटी शो द बैचलरेट इंडिया: मेरे खयालों की मल्लिका में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपना जीवनसाथी तलाशने की कोशिश की थी। वो नच बलिये और बिग बॉस जैसे शोज में भी बतौर मेहमान अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

धुरंधरः द रिवेंज बॉक्स ऑफिसः 4 दिन में कमाई 750 के करोड़ के पार, पठान, गदर 2 समेत इन फिल्मों का टूटा रिकॉर्ड

धुरंधरः द रिवेंज ने बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमा रखा है. रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी स्टार स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधरः द रिवेंज ने अपनी रिलीज के चार दिन पूरे कर लिए हैं. धुरंधरः द रिवेंज बीती 19 मार्च को रिलीज हुई थी और 18 मार्च को फिल्म के पेड प्रीव्यू हुए थे. जब से धुरंधरः द रिवेंज थिएटर पर लगी है, दर्शकों की भीड़ छंटने का नाम नहीं ले रही है. धुरंधरः द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर दोनों हाथों को भरकर पैसा कमा रही है. धुरंधरः द रिवेंज कमाई के साथ-साथ कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ नए-नए कीर्तिमान भी रच रही है. चलिए जानते हैं धुरंधरः द रिवेंज ने अपना पहला वीकेंड पूरा कर लिया है. चलिए जानते हैं धुरंधरः द रिवेंज ने पहले वीकेंड और चौथे दिन कितना कलेक्शन किया है.

मेकर्स ने धुरंधरक 2 की कमाई का ऑफिशियल आंकड़ा शेयर कर दिया है. पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे को मिलाकर धुरंधरः द रिवेंज ने 145 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 83 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 117 करोड़ रुपये, और चौथे दिन (पहले रविवार) 121 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ पेड प्रीव्यू को मिलाकर धुरंधरः द रिवेंज का भारत में कुल नेट

कलेक्शन 466 करोड़ रुपये, ग्रॉस घरेलू कलेक्शन 550 करोड़ रुपये, ओवरसीज में 211 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड तकरीबन 761 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन हो चुका है. अपने पहले वीकेंड में धुरंधरः द रिवेंज ने शाहरुख खान की पठान (287 करोड़ रुपये) को पछाड़ दिया है. धुरंधरः द रिवेंज ने अपने वर्ल्डवाइड कलेक्शन से गदर 2 (691 करोड़ रुपये) और सालार (690 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. धुरंधरः द रिवेंज ने अपने पहली वीकेंड में ओवरसीज में 22 मिलियन डॉलर का कारोबार किया है. इसमें नॉर्थ अमेरिका में अकेले 9.6 मिलियन डॉलर कमाए हैं.

धुरंधरः द रिवेंज इंडियन सिनेमा की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वीकेंड फिल्म बन गई है. पहले नंबर पर अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 (762 करोड़ रुपये) है. अपनी पहले वीकेंड की कमाई से धुरंधरः द रिवेंज ने बाहुबली 2 (591 करोड़ रुपये), कल्कि 2898 एडी (500 करोड़ रुपये) और आरआरआर (470 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. धुरंधरः द रिवेंज अपने पहले हफ्ते 1000 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने जा रही है. अब धुरंधरः द रिवेंज की नजर पीके, छावा, स्त्री 2 जैसी फिल्मों के रिकॉर्ड पर है. कहा जा रहा है कि धुरंधरः द रिवेंज वर्ल्डवाइड 2000 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सकती है.

आदित्य धर के निर्देशन में बनी धुरंधरः द रिवेंज बीती 5 दिसंबर को रिलीज हुई धुरंधर का सीक्वल है.धुरंधर ने वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था.

भूत बंगला के नए गाने तू ही दसदा का टीजर रिलीज, अक्षय-वामिका की रोमांटिक केमिस्ट्री ने बढ़ाई उत्सुकता

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला इन दिनों खूब सुर्खियों में है. फिल्म के टीजर रिलीज के बाद से हर कोई इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है. फिल्म में दिखाई गई कॉमेडी और रोमांच ने हर किसी का दिल जीत लिया है. खास बात ये है कि इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन करीब 14 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ आ रहे है. इसी बीच फिल्म का एक और गाना तू ही दिसदा का टीजर रिलीज हो चुका है.

फिल्म का नया रोमांटिक गाना तू ही दिसदा का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ और फैंस का दिल जीत लिया है. इसमें अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की रोमांटिक केमिस्ट्री नजर आ रही है. गाने को झरनों, घने 1जंगलों और खूबसूरत पहाड़ों में शूट किया गया हैं, जो इसे और भी रोमांटिक बनाते हैं. खास बात ये है कि इस गाने को अरिजीत सिंह ने निखिता गांधी के साथ मिलकर गाया है, जो इस लव ट्रैक को और शानदार बना रही है. इससे पहले फिल्म का पहला गाना राम जी आके भला करेंगे भी सुपरहिट रहा था, जिसने दर्शकों को खूब एंटरटेन किया. सोशल मीडिया पर टीजर के आते ही फैंस इस गाने को सुनने के लिए बेताब हो रहे है, जो आज 24 मार्च को रिलीज होगा.

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा; प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है।

धुरंधर 2 के आगे उस्ताद भगत सिंह का हुआ बंटाधार, चार दिनों में बजट भी नहीं वसूल पाई फिल्म

उस्ताद भगत सिंह ने सिनेमाघरों में 19 मार्च को उगादी के मौके पर दस्तक दी थी. इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म का क्लैश रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से हुआ. रिलीज के पहले दिन तो पवन कल्याण की स्टार पावर के दम पर इस फिल्म ने धमाकेदार ओपनिंग की लेकिन दूसरे ही दिन ये पटरी से उतर गई और

धुरंधर 2 के आगे ये चारो खाने चित्त हो गई. यहां तक कि ओपनिंग वीकेंड में भी ये कमाल नहीं कर पाई, जानते हैं उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के चौथे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

उस्ताद भगत सिंह पवन कल्याण की मच अवेटेड फिल्म थी. धुरंधर 2 से क्लैश के बवाजूद इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन अगले दिन ही बाजी पलट गई और उस्ताद भगत सिंह सिंगल डिजिट में सिमटती नजर आई. शुक्रवार को बड़ी गिरावट के बाद, शनिवार को इसमें बड़ी उछाल की उम्मीद थी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसमें कोई खास बढ़त देखने को नहीं मिली और इसका कलेक्शन 10 करोड़ के आंकड़े से नीचे ही रहा.वहीं धुरंधर 2 ने रिलीज के चार दिन में बॉक्स ऑफिस लूट लिया और रणवीर सिंह की फिल्म का कलेक्शन 450 करोड़ के पार पहुंच गया है. इन सबके बीच पवन कल्याण की फिल्म की कमाई की बात करें तो उस्ताद भगत सिंह ने सैकनिल्क के मुताबिक 34.75 करोड़ से खाता खोला था.

इसके बाद दूसरे दिन इसने 9 करोड़ और तीसरे दिन 9.05 करोड़ कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के चौथे दिन उस्ताद भगत सिंह ने महज 8 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ तेलुगु भाषी उस्ताद भगत सिंह की चार दिनों की भारत में कुल नेट कमाई 60.80 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन लगभग 71.66 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

खबरों के मुताबिक, उस्ताद भगत सिंह 150 करोड़ के बजट में बनी है. इस लागत के मुकाबले, इसने अब तक 60.80 करोड़ की नेट कमाई की है, यानी बजट का सिर्फ़ 59.46 प्रतिशत ही वसूल कर पाई. यानी 4 दिन का लंबा ओपनिंग वीकेंड भी फिल्म को खास फायदा नहीं पहुंचा पाया है.

धुरंधर 2: सतिंदर सरताज के साथ गाने पर जैस्मिन सैंडलस बोलीं- ये मेरे लिए सपने जैसा

रणवीर सिंह की हालिया रिलीज फिल्म धुरंधर 2 के चर्चे इस वक्त चारों दिशाओं में फैले हैं। फिल्म के साथ-साथ इसके गानों को भी दर्शकों की बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती दिखाई दे रही है। हाल ही में, पार्श्व गायिका जैस्मिन सैंडलस ने इसमें गाए गए अपने गाने जाइए सजना पर बात की जिसमें उनका साथ सतिंदर सरताज ने दिया है। गायिका ने बताया कि सरताज के साथ गाना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है जो जाइए सजना गाने के लॉन्च इवेंट का है। उन्होंने गायक सरताज की तारीफ करते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और लिखा, एकमात्र सतिंदरसरताज के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और उनके संगीत की दीवानी हूं। मेरी मां बहुत खुश हैं और यही मेरी सबसे बड़ी जीत है। सरताज, पंजाबी इंडस्ट्री के लोकप्रिय गायक, गीतकार, कवि और अभिनेता हैं। पंजाबी सूफी और लोकगीत में उन्होंने खास पहचान बनाई है। उनका अब तक का सुपरहिट ट्रैक साई है। इसके अलावा, उन्होंने उदारियां, मासूमियत और इक्को मिक्के जैसे चर्चित गाने भी गाए हैं। सरताज अभिनय की दुनिया में भी कदम रख चुके हैं। 2017 में आई हॉलीवुड फिल्म द ब्लैक प्रिंस से उन्होंने अपना डेब्यू किया था।

गर्मियों के दौरान फोन को गर्म होने से बचाने के लिए अपना सकते हैं ये टिप्स

गर्मियों में अक्सर मोबाइल फोन गर्म हो जाते हैं, जिससे उनके खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा गर्म फोन का इस्तेमाल करने से त्वचा में जलन और झुलसन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने फोन को गर्म होने से रोक सकते हैं और सुरक्षित तरीके से फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फोन को गर्मी से बचाएं

गर्मी के मौसम में फोन को गर्म सतहों पर रखने से बचें, क्योंकि इससे फोन की बैटरी पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा फोन को गर्म माहौल में रखने से भी यह गर्म हो सकता है। इसलिए, फोन को ऐसी जगह पर रखें, जहां हवा अच्छे से चलती हो। साथ ही, फोन को गाड़ी के डैशबोर्ड पर न रखें, क्योंकि वहां की गर्मी भी फोन को प्रभावित कर सकती है।

फोन का इस्तेमाल करते समय रखें ध्यान

फोन का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक वीडियो देख रहे हैं या खेल रहे हैं तो बीच-बीच में रुकें और फोन को आराम दें। इससे फोन बहुत ज्यादा गर्म नहीं होगा और उसके खराब होने का डर भी नहीं रहेगा। इसके अलावा फोन को चार्जिंग पर लगाने के बाद उसे तुरंत न चलाएं या चार्ज करते हुए इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे भी फोन गर्म हो सकता है।

फोन को चार्ज करते समय रखें ध्यान

फोन को चार्ज करते समय कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें, जिससे आपके फोन के गर्म होने की संभावना कम हो सकती है। फोन को चार्ज करते समय उसे कवर से ढककर न रखें, क्योंकि इससे फोन जल्दी गर्म हो जाता है। इसके अलावा फोन को चार्जिंग पर लगाने के बाद उसे ऐसे स्थान पर न रखें, जहां सीधी धूप आती हो। जब फोन चार्ज हो रहा हो तो उसे इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

फोन का केस हटाकर रखें

अगर आपके फोन की बैटरी फूल गई है या खराब हो गई है तो उसे निकालकर रखें। फोन के अंदरूनी हिस्से में अधिक गर्मी जमा होने से बैटरी खराब हो सकती है। इसके अलावा फोन के केस को हटाकर भी फोन को आराम दें। इससे फोन की बैटरी को ठंडा होने का मौका मिलता है और फोन में जमा गर्मी बाहर निकल जाती है। आपको फोन पर बहुत मोटे कवर लगाने से भी बचना चाहिए।

फोन की गर्मी जांचें

अगर आपको लगता है कि आपके फोन में ज्यादा गर्मी आ रही है तो उसे तुरंत बंद कर दें और किसी सेवा केंद्र पर लेकर जाएं। फोन का अधिक गर्म होना खराब होने का संकेत हो सकता है। इसलिए, इसे नजरअंदाज न करें और समय रहते सही कदम उठाएं। इसके अलावा अपने फोन की बैटरी को भी समय-समय पर जांचते रहें। इससे आप फोन की उम्र बढ़ा सकते हैं और उसे सुरक्षित रख सकते हैं।

गर्मी से बचे रहने के लिए गद्दे को इन तरीकों से रखें ठंडा, आएगी अच्छी नींद

गर्मियों में गद्दे भी गर्म हो जाते हैं, जिस वजह से अच्छी नींद नहीं मिल पाती है। जब गद्दा गर्म होता है तो सोते समय पसीना आना और असुविधा होना आम बात है। यह परेशानी खासकर उत्तर भारत में देखने को मिलती है, जहां गर्मी की लहर काफी तेज होती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे असरदार तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने गद्दे को ठंडा रख सकते हैं और गर्मियों में आरामदायक नींद ले सकते हैं।

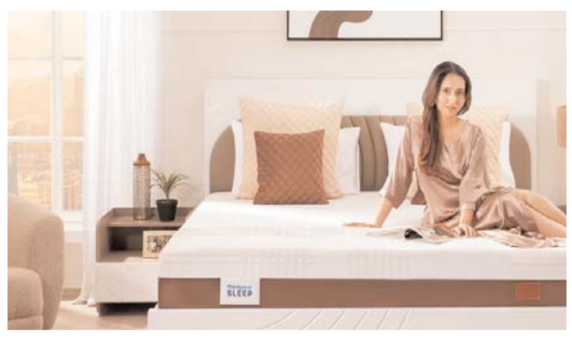

ठंडा करने वाले पैड का करें इस्तेमाल

ठंडा करने वाले पैड गद्दे को ठंडा रखने का बेहतरीन तरीका है। ये पैड खासतौर पर गर्मियों के लिए बने होते हैं और इनमें ऐसी तकनीक होती है, जो शरीर की गर्मी को सोखती है। इन्हें अपने गद्दे पर बिछाकर आप आसानी से आरामदायक नींद ले सकते हैं। इन्हें साफ करना भी आसान होता है और ये लंबे समय तक टिके रहते हैं। ठंडा करने वाले पैड का उपयोग करके आप गर्मियों में भी सुकून की नींद ले सकते हैं।

सूती चादर का करें उपयोग

गर्मियों में सूती चादर का उपयोग करना बहुत फायदेमंद होता है। सूती कपड़ा त्वचा को सांस लेने देता है और पसीना सोख लेता है, जिससे आप ठंडा महसूस करते हैं। हमेशा अपने गद्दे पर सूती चादर बिछाएं, ताकि सोते समय आपकी त्वचा को हवा मिलती रहे और आप पसीने से बच सकें। सूती चादर न केवल आरामदायक होती है, बल्कि इन्हें धोना भी आसान होता है और ये लंबे समय तक नई जैसी रहती हैं।

एसी लगवाएं

अगर आपके पास ठंडी हवा देने वाला यंत्र यानि एसी है तो उसका सही तरीके से इस्तेमाल करें। दिन में जब धूप तेज होती है तो पर्दे बंद रखें, ताकि कमरे में गर्मी न आए। रात को सोते समय एसी चालू रखें और कमरे की हवा को ताजा रखने के लिए खिड़की खोलें। इसके अलावा नियमित रूप से अपने यंत्र की सफाई करें, ताकि वे सही तरीके से काम करें और ज्यादा बिजली न खपत करें।

गद्दे को धूप में रखें

गद्दे को धूप में रखना एक पुराना, लेकिन असरदार तरीका है। हफ्ते में कम से कम एक बार अपने गद्दे को धूप दिखाएं, ताकि उसमें से नमी और बैक्टीरिया दूर हो सकें। धूप में रखने से गद्दा ताजगी महसूस कराता है और उसकी बदबू भी दूर हो जाती है। इसके अलावा धूप में रखने से गद्दे की उम्र भी बढ़ती है और वह लंबे समय तक अच्छा बना रहता है। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है।

गद्दे को पलटते रहें

गद्दे को समय-समय पर पलटते रहना जरूरी होता है, ताकि उसका आकार सही बना रहे और वह आरामदायक बना रहे। अगर एक ही तरफ सोते रहेंगे तो उस तरफ का हिस्सा दब जाएगा और बाकी हिस्सा नया रहेगा। इसलिए, हर महीने कम से कम एक बार गद्दे को पलटना चाहिए।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में 2,100 से ज्यादा हताहत; यूएन ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, (आरएनएस)। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे।

हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है।

यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

नहीं माना ईरान! इजरायल पर दागीं मिसाइलें, कुवैत का भी ड्रोन हमलों का दावा; ट्रंप के एलान के बाद भी हमले जारी

तेहरान/तेल अवीव (आरएनएस)। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं, लेकिन हालात अब भी सामान्य होते नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का ऐलान किया है। ताजा घटनाक्रम में इजरायल ने दावा किया है कि ईरान की ओर से मिसाइलें दागी जा रही हैं। वहीं कुवैत ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बात कही है। इजरायली सेना ने मंगलवार सुबह नागरिकों के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की। सेना के अनुसार, ईरान की तरफ से कई मिसाइलें दागी गई हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है। एक संक्षिप्त बयान में कहा गया कि हवाई रक्षा प्रणाली सक्रिय है और आने वाली मिसाइलों को निष्क्रिय करने की कोशिश की जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

उधर, एक घंटे के भीतर दूसरी बार कुवैती सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है। साथ ही नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी ने ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर नए हवाई हमलों की खबर दी है। एजेंसी के मुताबिक, मंगलवार तड़के दो अलग-अलग ऊर्जा स्थलों को निशाना बनाया गया, जिससे पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति और अनिश्चित हो गई है। ये घटनाएं ऐसे समय में सामने आई हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले को पांच दिनों के लिए टाल रहा है।

युद्ध का कोई स्पष्ट लक्ष्य या रणनीति नहीं' ईरान युद्ध पर घिरे ट्रंप, यूएस डेमोक्रेट्स ने उठाए सवाल

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका में ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। शीर्ष डेमोक्रेट नेताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बनाते हुए युद्ध की

बढ़ती लागत, स्पष्ट रणनीति की कमी और संघर्ष के लंबे खिंचने के खतरे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा कि इस युद्ध का कोई स्पष्ट लक्ष्य या रणनीति नहीं है। उन्होंने सीनेट में कहा, ट्रंप का ईरान के साथ युद्ध चौथे हफ्ते में है और इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा। चक शूमर ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति आगे की योजना को लेकर साफ जवाब देने में विफल रहे हैं।

चक शूमर ने व्हाइट हाउस के बयानों को भी विरोधाभासी बताया। उन्होंने कहा, यह क्या हो रहा है? यह कमांडर-इन-चीफ की लीडरशिप नहीं है। या तो वह भ्रमित हैं, या सच नहीं बोल रहे, या दोनों एक साथ हैं। उन्होंने इस युद्ध को अमेरिका में बढ़ती पेट्रोल कीमतों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि एक महीने पहले गैस की औसत कीमत करीब 2.93 डॉलर प्रति गैलन थी, जो अब बढ़कर 3.94 डॉलर हो गई है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद देखी गई सबसे बड़ी मासिक उछालों में से एक है।

किम जोंग बोले-परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था

– ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, ताकत से ही सुरक्षा मिलती है

प्योंगयांग (ए.)। नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे ताकि अमेरिका को रोका जा सके।

किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है।

हमें मिले हैं बातचीत के प्रस्ताव..कर रहे हैं विचार', ईरानी विदेश मंत्रालय ने मानी अमेरिका से वार्ता की बात

तेहरान (ए.)। ईरान को अमेरिका की ओर से मध्यस्थों के जरिए संदेश मिला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत की संभावना बनती दिख रही है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने कुछ अहम प्रस्ताव भेजे हैं, जिनकी समीक्षा की जा रही है। अधिकारी ने कहा, हमें अमेरिका की ओर से कुछ बिंदु मिले हैं और हम उन पर विचार कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। ईरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ समझौता संभव है, जबकि खाड़ी क्षेत्र में तनाव अब भी बना हुआ है। इस स्थिति का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ रहा है और कई देश तनाव कम करने की कोशिशों में जुटे हैं।

सरकार का बड़ा फैसला, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर प्रतिबंध

सिडनी (आरएनएस),। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी।

नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए। मिकेलबर्ग ने मंगलवार को कहा, हम 16 साल से कम उम्र वालों पर इन डिवाइस के इस्तेमाल पर रोक लगा रहे हैं, क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नए कानूनों के तहत फुटपाथों पर ई-मोबिलिटी डिवाइस के लिए 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा भी तय की जाएगी। साथ ही, पुलिस को अवैध डिवाइस ज़ब्त करने और नष्ट करने के अतिरिक्त अधिकार दिए जाएंगे, और वे चालकों का अचानक 'ब्रीथ टेस्ट' (सांस की जांच) भी कर सकेंगे। पिछले साल, ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला प्रतिबंध लागू हुआ था।

खेल समाचार

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथः फरवरी के लिए अरुंधति रेड्डी और साहिबजादा फरहान ने जीते पुरस्कार

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फरवरी महीने के लिए भारतीय महिला खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। उन्होंने पिछले महीने गेंदबाजी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पुरुष वर्ग में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साहिबजादा फरहान ने ये पुरस्कार हासिल किया है। बता दें कि फरहान टी-20 विश्व कप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज रेड्डी ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 मैचों की टी-20 सीरीज में 10.87 की औसत और 7.25 की इकॉनमी रेट से 8 विकेट लिए थे। उनका प्रदर्शन क्रमश: 4/22, 2/30 और 2/35 रहा था। उनकी बदौलत भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। रेड्डी ने प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए पाकिस्तान की फतिमा सना और श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा को पीछे छोड़ा था। रेड्डी ने इस सम्मान के बाद अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा, आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात है, और यह जानकर और भी खास लगता है कि मैं ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में अपना योगदान दे पाई। ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना कभी आसान नहीं होता, जिससे यह अवॉर्ड मेरे लिए और भी ज्यादा मायने रखता है। भले ही पाकिस्तानी टीम का इस टी-20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन हो, लेकिन उनके सलामी बल्लेबाज फरहान ने बल्ले से कमाल किया था। फरहान ने टी-20 विश्व कप 2026 में 7 मैच खेले, जिसकी 6 पारियों में 76.60 की औसत और 160.25 की स्ट्राइक रेट के साथ 383 रन बनाए। उन्होंने 2 शतक भी अपने नाम किए। उन्होंने एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था।

आईपीएल 2026: केएल राहुल का बतौर सलामी बल्लेबाज कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान का आगाज 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगी। इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की टीम से केएल राहुल सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच हेमांग बदानी और क्रिकेट डायरेक्टर वेणुगोपाल राव ने ये पुष्टि की। इस बीच राहुल के आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के तौर पर किए प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

राहुल ने बतौर सलामी बल्लेबाज अब तक 103 मैच खेले हैं और इसकी 103 ही पारियों में उन्होंने 49.64 की औसत और 138.14 की स्ट्राइक रेट के साथ 4,418 रन बनाए हैं। पारी की शुरुआत करते हुए राहुल से ज्यादा रन सिर्फ शिखर धवन (6,362), डेविड वार्नर (5,910), विराट कोहली (5,009) और क्रिस गेल (4,480) ने बनाए हैं। हालांकि, इन सभी बल्लेबाजों में राहुल का औसत सबसे बेहतर है। राहुल ने अपने आईपीएल करियर में कुल 5 शतक लगाए हैं और ये सभी सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलते हुए आए हैं। बतौर सलामी बल्लेबाज राहुल से ज्यादा शतक सिर्फ कोहली (8), जोस बटलर (7) और गेल (6) ने लगाए हैं। राहुल 3 अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने डीसी, एलएसजी और पीबीकेएस का प्रतिनिधित्व करते हुए लीग में शतक लगाए हुए हैं।पीबीकेएस की कप्तानी (तब किंग्स इलेवन पंजाब) करते हुए राहुल ने आईपीएल 2020 में शीर्ष स्कोरर रहते हुए ऑरेंज कैप हासिल की थी।

15 हजार करोड़ में बिक गई राजस्थान रॉयल्स, रातों-रात इन अरबपतियों ने खरीद ली पूरी टीम

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के नए सीजन का बिगुल बजने से ठीक पहले क्रिकेट जगत से एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी खबर सामने आई है। आईपीएल इतिहास की पहली चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स (Rajasthan Royals) अब पूरी तरह से बिक चुकी है और उसे नए मालिक मिल गए हैं। पिछले कई महीनों से चल रही सौदेबाजी और गहमागहमी के बाद आखिरकार 1.65 बिलियन डॉलर यानी करीब 15 हजार करोड़ रुपये की भारी-भरकम और रिकॉर्ड बोली के साथ इस प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी की बिक्री फाइनल हो गई है। अमेरिका के दिग्गज बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने इस टीम को खरीदने के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई थी, जिस पर अब आधिकारिक मुहर लग चुकी है।

मनोज बदाले और मर्डोक की हुई छुट्टी, 100 फीसदी हिस्सेदारी बिकी

इस ऐतिहासिक सौदे के बाद अब राजस्थान रॉयल्स के मौजूदा मालिकों की पूरी तरह से छुट्टी हो गई है। आपको बता दें कि आईपीएल की शुरुआती 8 फ्रेंचाइजी में से एक इस टीम के मुख्य मालिक भारतीय मूल के ब्रिटिश बिजनेसमैन मनोज बदाले थे, जिनके पास फ्रेंचाइजी का सबसे बड़ा 65 फीसदी हिस्सा था। उनके अलावा 15 फीसदी हिस्सेदारी मशहूर अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फर्म रेडबर्ड कैपिटल के पास और 13 पर्सेंट

हिस्सेदारी ब्रिटिश उद्योगपति लछलन मर्डोक के नाम दर्ज थी। बाकी बचे 7 फीसदी हिस्से में कुछ अन्य निवेशक शामिल थे। लेकिन अब नए अमेरिकी कॉन्सोर्टियम ने पूरी 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीद कर टीम का पूरा मालिकाना हक अपने नाम कर लिया है।

जानिए कौन हैं 15 हजार करोड़ की रिकॉर्ड बोली लगाने वाले नए मालिक?

पिछला सीजन खत्म होने के कुछ ही महीनों बाद रॉयल्स के मौजूदा मालिकों ने फ्रेंचाइजी को बेचने का बड़ा ऐलान किया था। इसके बाद इसे खरीदने के लिए दुनिया भर के कई बड़े बिजनेस घरानों के बीच होड़ मच गई। 15 मार्च को बोली लगाने की आखिरी तारीख थी, जिसमें भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति बिजनेसमैन काल सोमानी समेत तीन प्रमुख निवेशकों के समूह ने बाजी मार ली। काल सोमानी मशहूर आईटी सर्विसेज कंपनी इंट्राऐज (IntraEdge) के मालिक हैं और पहले से ही राजस्थान रॉयल्स में उनकी एक छोटी हिस्सेदारी थी।

वॉलमार्ट और फोर्ड मोटर के मालिक भी बने साझीदार

राजस्थान रॉयल्स का यह मेगा अधिग्रहण अगले आईपीएल सीजन से पूरी तरह से लागू हो जाएगा। इस भारी-भरकम डील में सिर्फ काल सोमानी ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट (Walmart) के मालिक वॉल्टन परिवार के रॉब वॉल्टन और मशहूर ऑटोमोबाइल कंपनी फोर्ड मोटर (Ford Motor) से ताल्लुक रखने वाली शीला फोर्ड हैम्प भी इस कॉन्सोर्टियम का अहम हिस्सा हैं। हालांकि, 15 हजार करोड़ के इस सौदे में किस अरबपति की कितनी हिस्सेदारी रहेगी, इसका खुलासा होना अभी बाकी है। दिलचस्प बात यह है कि रॉब वॉल्टन और शीला फोर्ड हैम्प अमेरिका की सबसे लोकप्रिय रग्बी लीग (NFL) में भी अलग-अलग स्पोर्ट्स टीमों के मालिक हैं, जिससे यह साफ है कि खेल जगत में उनका दबदबा काफी पुराना है।

एमएस धोनी को लेकर इस दिग्गज क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, कहा ये होगा आखिरी सीजन

नई दिल्ली (ए.)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि आईपीएल 2026 एमएस धोनी का बतौर खिलाड़ी आखिरी सीजन हो सकता है। आकाश का कहना है कि संजू सैमसन धोनी के वारिस के रूप में चेन्नई की टीम में आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर धोनी इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सिर्फ एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हैं, तो उन्हें रिटायरमेंट के बारे में सोचना चाहिए। आकाश चोपड़ा ने 'जियोहॉटस्टार' के साथ बात करते हुए कहा, आप डगआउट से टीम नहीं चलाते, यह फुटबॉल नहीं है। क्रिकेट में आपको मैदान पर होना चाहिए और एमएस धोनी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किसी और से बेहतर खेल को समझ सकते हैं। यही साफ सोच और पक्का इरादा उन्हें वह बनाता है जो वह हैं। किसी भी हाल में मुझे लगता है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, अब उनके पास वारिस है। संजू सैमसन आखिरकार ग्लव्स पहनेंगे और यह इस सीजन में कभी भी हो सकता है। फिर से धोनी की फिटनेस और उनके घुटने के मामले में शर्तें लागू होती हैं, लेकिन वह इम्पैक्ट प्लेयर नहीं हो सकते। अगर वह एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेल रहे हैं, तो मुझे लगता है कि उनके लिए संन्यास लेने का समय आ गया है।

मरने के बाद अमर RCB के 11 फैन, एम चिन्नास्वामी में सीटें हमेशा के लिए रहेंगी रिजर्व

बेंगलुरु (आरएनएस)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद के साथ एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होनी है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने पिछले साल हुई दुखद भगदड़ में मारे गए लोगों को सम्मान देने के लिए खास कदम उठाया है।केएससीए और आरसीबी ने मिलकर फैसला किया है कि बेंगलुरु स्थित एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा के लिए उन लोगों की याद में खाली रखी जाएंगी, जिन्होंने इस हादसे में अपनी जान गंवाई थी। ये सीटें हर मैच और इवेंट के दौरान खाली रहेंगी, चाहे वह आईपीएल मैच हो या कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला। इसके अलावा, स्टेडियम के प्रवेश द्वार के पास एक मेमोरियल प्लाक (स्मारक पट्टिका) भी लगाया जाएगा। यह जगह लोगों के लिए एक शांत स्थान होगी, जहां वे इस हादसे में जान गंवाने वालों को याद कर सकेंगे।सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया, हम प्रवेश द्वार के पास एक मेमोरियल प्लाक लगाएंगे और भगदड़ में मारे गए लोगों की याद में स्टेडियम में 11 सीटें रिजर्व करेंगे। मैं अभी ज्यादा जानकारी नहीं बता सकता।

गावसकर भी देखना चाहते हैं धुरंधर, टिकट के लिए अभिनेता से की बात

मुम्बई (आरएनएस)। महान बल्लेबाजा सुनील गावसकर भी फिल्म धुरंधर: द रिवेंज से प्रभावित हैं और उसे देखना चाहते हैं पर उन्हें टिकट नहीं मिल पा रही। इसी को देखते हुए गावस्कर ने फिल्म का हिस्सा रहे अभिनेता राकेश बेदी से टिकट का इंतजाम करने का अनुरोश किया है जिससे बेदी भी हैरान हैं। बेदी ने बताया कि उनकी मुलाकात जब गावस्कर से हुई तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए टिकट का इंतजाम करो। बेदी ने सोशल मीडिया पर जारी पर एक वीडियो में कहा, कल मेरी मुलाकात महान खिलाड़ी गावस्कर से हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें फिल्म के टिकट नहीं मिल पा रहे हैं।

रसोई गैस की बुकिंग करने के लिए बहुत परेशान होना पड़ रहा उपभोक्ताओं को

गैस एजेंसी वाले भी नहीं दे रहे सही जानकारी, पुलिस वाले भी कर रहे बत्तमीजी

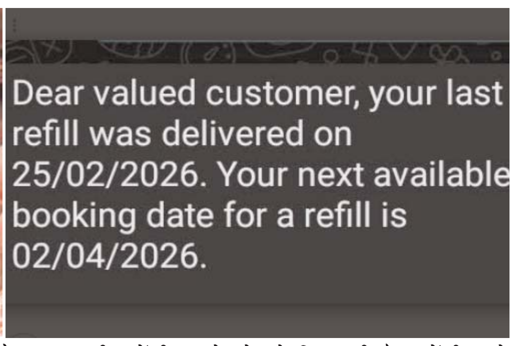

नर्मदापुरम (निप्र)। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव के चलते बीते एक पखवाडे से रसोई गैस एक बड़ी समस्या बन गई है। रसोई गैस की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को हो रही है। रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। शहरों से लेकर गांवों तक लोग समय पर सिलेंडर न मिलने की शिकायत कर रहे हैं। बुकिंग के लिए समय आ जाने के बाद भी बुकिंग होना मुश्किल हो रहा है। शहर में सबसे ज्यादा समस्या हरयाली चौके के पास वाली एजेंसी पर देखने को मिल रही है। एजेंसी वाले जब फोन नहीं उठा रहे तो उपभोक्ता एजेंसी के कार्यालय के पास पहुंच कर बात करना चाह रहे हैं। यहां पर एजेंसी के कार्यालय के सामने पुलिस लगाना पड़ रहा है। पुलिस वाले व्यवस्था बनाने की बजाए परेशान उपभोक्ताओं के साथ बततमीजी कर रहे हैं। लोग शालिनता से खड़े होकर एजेंसी वालों से जानकारी लेना चाह रहे हैं तो पुलिस लोगों के साथ अभद्रता करते हुए जबरन हटा रहे हैं जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ताओं से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर के समय जब लोग शांति पूर्वक एजेंसी वालों के पास अपनी बुकिंग कराना चाह रहे थे तो पुलिस वाले दूर कर रहे थे। वैसे भी कड़ी धूप में लोग परेशान होकर खड़े खड़े इंतजार कर रहे थे लेकिन पुलिस वाले कुछ ज्यादा ही रूतवा दिखाने का प्रयास कर रहे थे। उपभोक्ता कह रहे थे कि इन्हें व्यवस्था बनाने के लिए खड़ा किया जाता है या बिगाड़ने के लिए। उपभोक्ता बता रहे हैं कि जैसे तैसे बुकिंग हो रही है तब भी घरेलू उपभोक्ताओं को भी बुकिंग के बाद 7 से 10 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। जो पहले महज 2 से 3 दिनों में मिल जाता था।

मोबाइल पर आ रहे बेडंगा मैसेस

जब उपभोक्ता नियमानुसार बुकिंग की प्रोसेस कर रहे हैं तो मोबाइल पर कंपनी की ओर से बेढंगा मेसेस आ रहा है कि आपकी पूर्व की डिलेवर्ड डेट 25 फरवरी थी तो अब आपकी अगली बुकिंग 2 अप्रैल 2026 को होगी। बीच में मार्च में कब होगी यह बात मैसेस में आना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इस तरह के मैसेस से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। एजेंसी पर सही जानकारी नहीं मिल रही है मैसेस बेढंगे आ रहे हैं तब ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं की नाराजगी बढ़ रही है।

कमिश्नर ने नर्मदापुरम से पिपरिया एवं नर्मदापुरम से हरदा तक बनी सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की एवं लंबित प्रकरणों के उचित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने एमपी आरडीसी द्वारा बनाए दो मार्ग नर्मदापुरम से पिपरिया रोड एस एच 67 एवं नर्मदापुरम से हरदा मार्ग एस एच 67 के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उक्त दोनों रोड के निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं क्वालिटी इतनी अच्छी है कि आम जनता सफर के दौरान उक्त मार्गों पर बिना कठिनाई के आराम से जाना आना कर रही है। कमिश्नर तिवारी ने बताया कि इस बार भी नरवाई का उचित प्रबंधन किया जाएगा। पिछली बार की तरह ही इस बार भी विभिन्न एजेंसियां अपनी मशीन लाएगी और नरवाई काटकर नरवाई का उचित प्रबंधन करेंगी। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि वह नरवाई में आग ना लगाए अपितु नरवाई प्रबंधन मशीन का उपयोग करते हुए नरवाई का उचित निदान करें।

मारवाड़ी स्वर्णकार समाज ने मनाया गणगौर उत्सव

नर्मदापुरम (निप्र)। मारवाड़ी स्वर्णकार समाज नर्मदापुरम की महिलाओं द्वारा पारंपरिक हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ गणगौर उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता गणगौर से परिवार की सुख.समृद्धि एवं मंगल कामनाएं कीं। उत्सव के अंतर्गत सुसज्जित शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर लोकगीतों एवं मंगल गीतों के साथ भाग लिया। संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना रहा। उक्त कार्यक्रम का समापन नर्मदा तट स्थित सेठानीघाट पर विधि-विधान से गणगौर प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ किया गया। विसर्जन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं तथा पूरे आयोजन को अनुशासित एवं भव्य रूप से संपन्न किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन एवं अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे तथा सभी ने आयोजन की सराहना की।

मुखर्जी काम्पलेक्स परिसर में एक जीना हटाना हो रहा मुश्किल

अब दूसरा जीना लगाने की मांगी अनुमति, शासन प्रशासन को दिया आवेदन

नर्मदापुरम (निप्र)। मुखर्जी काम्पलेक्स परिसर में एक अवैध रूप से लगे हुए जीना को हटाने में नगर पालिका जिला प्रशासन ने घुटने टेक दिए हैं। अवैध होने पर एक बार नगर पालिका जीना हटा चुकी है। अवैध रूप से जीना लगाए जाने वाले द्वारा नगर पालिका से अनुमति मांगी गई थी तब नगर पालिका ने जीना लगाने की अनुमति नही थी। लिखित में मना कर दिया था। फिर शासद मौखिक रूप से चुपचाप अनुमति दे दी होगी। तभी तो उसने दिन दहाड़े जीना लगा लिया। जिसे सीएमओ देखने भी पहुंची थी। इस जीने की शिकायत अनेक अधिकारियों तमाम जबावदारों तक लिखित में पहुंच चुकी है। इतना ही शासन प्रशासन द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए बनाए गए तरीके जनसुनवाई में अनेक बार तथा सीएम हेल्प लाइन में शिकायत के बाद भी नगर पालिका और जिला प्रशासन की जीना हटाने की हिम्मत नहीं हो सकी। इस बीच अब एक दूसरा आवेदन नगर पालिका, जिला प्रशासन के समक्ष पहुंचा है कि यदि एक जीना लग सकता है तो दूसरे की अनमति दी जाए। जिससे किसी को सुविधा पहुंचाई गई है तो हमें भी जीना लगाने की अनुमति दी जाए। इस आवेदन की प्रति नगर पालिका, जिला प्रशासन के साथ साथ नगरीय प्रशासन मंत्री तथा नगरीय प्रशासन के भोपाल कार्यालय तक पहुंचाई गई है। आवेदन कर्ता गीता चौकसे ने अनुमति मांगते हुए कहा कि है कि जिस प्रकार एक जीना लग गया है उसे नहीं हटाया गया है तो मुझे भी जीना लगाने की अनुमति दी जाए अनुमति नहीं मिलने पर तीन दिन बाद यह समझा जाएगा कि नगर पालिका की मौन स्वीकृति है।

संसदीय स्थायी समिति की बैठक में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने रखे महत्वपूर्ण सुझाव

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी शामिल हुए। बैठक के दौरान समिति के 377वें प्रतिवेदन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वर्ष 2026-27 की अनुदान मांगों से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। सांसद श्री चौधरी ने महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण एवं पोषण, आंगनवाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचे, इसके लिए निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक में नीति निर्माण को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास से जुड़े विषय देश के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मां नर्मदा के तटवासी तीन स्टार वाले हैं-आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज

सतरस्ते पर जारी है देवी भागवत कथा, कथा का विश्राम 27 मार्च को होगा

नर्मदापुरम (निप्र)। मां नर्मदा के पावन तट पर जन्म हुआ है। प्रतिदिन मां के दर्शन हो रहे हैं। नवरात्र में देवी मां की पूजा अर्चना और देवी भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। मां नर्मदा के तटवासी तीन स्टार वाले हैं। यह अमृत उद्गार देवी भागवत कथा दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा सतरस्ते पर आयोजित देवी भागवत कथा में राजराजेश्वरी बाराही धाम डुंगारिया जिला सीहोर से पधारे सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज (बशिष्ठ) ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह सत्कर्म करना बड़े भाग्यशालियों को प्राप्त होता है। नवरात्र महोत्सव में देवी मां की उपासना करने से अपार पुण्य और कृपा प्राप्त होती है। यह शक्ति और भक्ति का पर्व है। देवी आराधना से साधक को सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। आचार्य श्री के द्वारा दस महाविद्या, 51

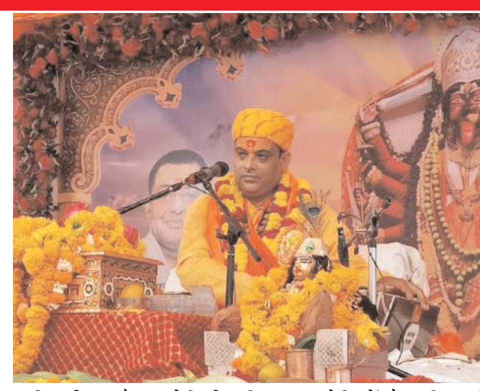

शक्ति पीठ, चौसठ योगिनी सहित अन्य देवियों के चरित्र की कथाएं सुनाई जा रही हैं। जिसे सुनकर श्रद्धालु धन्य हो रहे हैं। दस महा विद्याओं का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि दस महाविद्याओं में देवि काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी भुवनेश्वरी छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला हैं। इनकी साधना से आध्यात्मिक जागृति भय से मुक्ति और जीवन में समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसी के साथ देवी सति के अंग जहां जहां गिर वहां पर शक्ति पीठ हैं। देवी भागवत कथा के दौरान आचार्यजी के द्वारा 51 पीठ की देवियां के चरित्र की कथा भी सुनाई जा रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक जारी रहती है। कथा का विश्राम 27 मार्च को होगा। विश्राम दिवस पर कथा स्थल से भव्य जवारे निकाले जाएंगे। जो नर्मदा जी में गाजे बाजे के साथ विसर्जन के लिए ले जाए जाएंगे। कथा स्थल पर विभिन्न देवियों के स्वरूप की झांकिया भी दिखाई जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन जागरुकता हेतु कराया दीवाल लेखन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा पोषित नवांकुर संस्था, नव क्रांति जनकल्याण समिति पतलई कला (सेक्टर क्रमांक 1) की

प्रस्फुटन समिति टांगना डोबी तालपुरा पतलई कला में दीवाल लेखन करवाया गया। जिससे समुदाय में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता आए और दीवार लेखन के माध्यम से जल के महत्व को भली भांति समझ सके क्योंकि जल को बनाया नहीं जा सकता, जल को बचाया जा सकता है।

श्रम विभाग के अमले ने सिवनीमालवा एवं बनापुरा में दुकानों और प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

बाल श्रम उन्मूलन हेतु संचालित जन-जागरुकता अभियान के दौरान लगाए गए जागरुकता स्टीकर

नर्मदापुरम (निप्र)। बाल श्रम की पहचान एवं विमुक्ति के उद्देश्य से मंगलवार को जिला टास्क फोर्स के सहयोग से सिवनीमालवा एवं बनापुरा शहर में संयुक्त जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत गैराज लाइन, गन्ने की दुकानों सहित विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों का निरीक्षण किया गया।इस अभियान में श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू, उप निरीक्षक थाना सिवनी मालवा नागेश वर्मा, आरक्षक अर्जुन गुर्जर एवं रविंद्र मासीदकर, शिक्षक शेख रहीस कुरैशी, महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर अस्मा खान तथा एसजेपीयू (SIPU) इटारसी से रोहित कुमार उपस्थित रहे। अभियान के दौरान संबंधित

संस्थानों में बाल श्रम रोकथाम संबंधी स्टीकर लगाए गए तथा नियोजकों को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान स्पष्ट रूप से बताया गया कि 14 वर्ष तक के बच्चों को किसी भी प्रकार के कार्य में लगाना पूर्णत: प्रतिबंधित है।साथ ही 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों को खतरनाक कार्यों जैसे खान, ज्वलनशील पदार्थों, विस्फोटक एवं अन्य जोखिमपूर्ण प्रक्रियाओं में नियोजित करना कानूनन अपराध है। अधिकारियों ने बताया कि बालकों का नियोजन तथा किशोरों को खतरनाक उद्योगों में कार्य पर लगाना संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। उल्लंघन की स्थिति में दोषी नियोजक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें न्यूनतम छह माह से अधिकतम दो वर्ष तक का कारावास अथवा 20,000 रुपये से 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

ग्रीष्म काल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न ना हो : कमिश्नर श्री तिवारी

नरवाई का उचित प्रबंध करते हुए आग लगाने की घटना पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए नर्मदा परिक्रमा पथ पर विकास की कार्य प्रारंभ किए जाएं

नर्मदापुरम (निप्र)। ग्रीष्म काल में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े सभी संबंधित अधिकारी पेयजल एवं जल संकट का निराकरण करने में संवेदनशीलता दिखाएं। बस स्टैंड, प्रमुख चौराहा एवं सार्वजनिक स्थलों पर राहगीरो के लिए प्याऊ स्थापित करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में यदि हैंड पंप खराब है तो उसमें समय रहते सुधार का कार्य प्रारंभ कर दें, जहां राइजर पाइप की आवश्यकता है वहां पर राइजर पाइप बढ़ाकर जल संकट को दूर किया जाए। कहीं पर भी जल संकट के कारण अप्रिय स्थिति निर्मित ना हो। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश ?नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल जिले के कलेक्टर्स एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। कमिश ?नर ने कहा कि गेहूं कटाई के बाद नर्मदापुरम संभाग के जिलों में व्यापक पैमाने पर नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आती है, नरवाई जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है और जमीन के पोषक तत्व एवं कीट पतंग भी जो फसलों के लिए फायदेमंद होते हैं वो नष्ट हो जाते हैं यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने निर्देश दिए की सभी संबंधित अधिकारी नरवाई का उचित प्रबंधन करें। किसानों को नरवाई ना जलाने की समझाइश दे। नरवाई में आग लगाने की घटना पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। यदि नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर कर दाडिक कारवाई सुनिश्चित की जाए। कमिश ?नर ने कहा कि 15 से 20 दिन विशेष रहेंगे जब नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आएंगी। इस दौरान सभी अधिकारी फील्ड पर सतर्क रहें एवं नरवाई में आग लगाने की घटना की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। जहां एक्शन लेना है वहां पर एक्शन लेकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने कहा की कार्रवाई के दौरान सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि शासन की छवि पर विपरीत प्रभाव न पड़े। कमिश्नर श्री

तिवारी ने निर्देश दिए की जल्द ही आगामी शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो जाएगा इस दौरान शिक्षा पर विशेष फोकस करते हुए विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाए। शाला प्रवेशित सभी विद्यार्थियों का नामांकन किया जाए, 03 से लेकर 06 वर्ष तक के बच्चों का आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में प्राथमिकता से दाखिला कराया जाए। ऐसे बच्चे जो ड्रॉप आउट है उन्हें चिन्हित कर पुन: स्कूल में प्रवेश दिलाया जाए। सभी कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गण कन्या आश्रम शालाओं, स्कूलों, छात्रावासों का विशेष तौर पर निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। छात्रावास में बिस्तर चादर भोजन के गुणवत्ता देखें एवं छोटी-छोटी आवश्यकताओं का अवलोकन करें और उन्हें दूर कर विद्यार्थियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास करें। कमिश ?नर ने निर्देश दिए की स्कूलों का नियमित रूप से निरीक्षण करते हुए छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। स्कूलों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। मिशन अंकुर के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों की विशेष तौर पर मॉनिटरिंग की जाए एवं स्कूलों में बेसिक इन्फास्टेक्चर है कि नहीं उसकी अनिवार्य रूप से चेकिंग कि जाए। कमिश्नर ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान का अंतिम चरण चल रहा है, इस अभियान के दौरान हितग्राहियों से प्राप्त आवेदनों का जो निराकरण किया गया है उस निराकरण की स्थिति को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। उन्होंने बताया कि तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान यह ज्ञात हुआ है कि ई ऑफिस सिस्टम से कार्य करने में अभी भी कर्मचारी सहज नहीं है। डिस्पैच एवं रिसिप्ट का इशू अभी भी है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से बदली श्रीमती रेणुका मुलगरा की जिंदगी

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने वार्ड क्रमांक 20 प्रताप नगर रसूलिया की निवासी श्रीमती रेणुका मुलगरा के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। योजना के अंतर्गत मिली आर्थिक सहायता से उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। 36 वर्षीय श्रीमती रेणुका मुलगरा को जून 2023 से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत नियमित रूप से आर्थिक सहायता राशि प्राप्त हो रही है। इस सहायता राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने अपने घर के पास सरस्वती नगर रसूलिया में स्थित सेंट चार्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के समीप नाश्ते की एक केन्टीन शुरू की है। इस केन्टीन से उन्हें नियमित आय प्राप्त होने लगी है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सहारा मिला है। श्रीमती मुलगरा के पति कन्हैयालाल मुलगरा दिव्यांग हैं, जिसके कारण परिवार की आय का कोई अन्य स्थायी स्रोत नहीं था। ऐसे में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना उनके लिए बड़ी मदद साबित हुई है। योजना के तहत श्रीमती रेणुका मुलगरा को फरवरी 2026 तक कुल 33 किश्तों में 43,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो चुकी है। केन्टीन से होने वाली आय और योजना से मिली राशि का उपयोग उन्होंने अपने बच्चों की स्कूल फीस, ट्यूशन फीस और परिवार के दैनिक खर्चों में किया है।

54वां बसंती दुर्गा पूजा महोत्सव

सिटी बंगाली क्लब में विराजी मां दुर्गा

जबलपुर(निप्र)। बंग समाज की प्राचीन एवं प्रमुख संस्था सिटी बंगाली क्लब, करमचंद चौक में इस वर्ष 54वां बसंती दुर्गा पूजा महोत्सव 24 मार्च से प्रारंभ होकर 28 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। चैत्र

नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा के साथ गणेश, लक्ष्मी, सरस्वती एवं कार्तिकेय भगवान की भव्य मूर्तियां स्थापित की गई हैं। इस अवसर पर काली मंदिर एवं पूजा मंडप को आकर्षक रूप से सजाया गया है, जहां श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन कर सकेंगे।पूजा कार्यक्रम में संधि पूजा, कुमारी पूजा, बलि, हवन, आरती एवं अंजलि के साथ प्रतिदिन भोग वितरण किया जाएगा। संध्या 7 बजे से नियमित आरती का आयोजन किया जाएगा। इस पांच दिवसीय आयोजन में षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, महानवमी व दशमी पर विशेष पूजा-अर्चना होगी।सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत नृत्य प्रीतियोगिता विभिन्न आयु वर्गों के लिए आयोजित किया गया है ।संध्या आरती पश्चात यह प्रतियोगिता शुरू होगी ।आयोजन समिति द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव में शहरवासियों को सपरिवार शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है।

विश्व क्षय दिवस पर जिले में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर 24 मार्च को जिले में जन-जन का रखें ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान की थीम पर 100 दिवसीय जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला क्षय केंद्र नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से इस अभियान की शुरुआत की गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की उपस्थिति में प्रारंभ किए गए अभियान के अनुरूप जिले में संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टीबी उन्मूलन हेतु जन-जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच एवं नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित करना तथा सामुदायिक सहभागिता से टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com